



## Kushal

1

जन्मतिथी:	17 June 2015 Wednesday
जन्म वेळ:	13:40 PM
जन्म स्थळ:	Agra (U P), India
Latitude:	27.11N Longitude: 78.0E
अयनांश:	एन सी लाहिरी 24:4:21
स्थानिक वेळ:	13:22:00
साम्पातिक काळ:	7:3:3
स्थानिक वेळ संस्कार:	-18:0
तिर्यक:	23.4

### अवकहडा चक्र

लग्न	कन्या
लग्नपती	बुध
राशी	मिथुन
राशी स्वामी	बुध
नक्षत्र	अद्र
नक्षत्र स्वामी	राहू
चरण	2
तिथी	प्रतिपाद शुक्ल
पाया	तांबा
सूर्य सिद्धांत योग	गंड
करण	बव
वर्ण	शूद्र
तत्व	जल
वश्य	मानव
योनी	स्वान(स्त्री.)
गण	मनुष्य
नाडी	आदि
नाडी पद	अंत
विहग	भेरुन्ड
प्रथम अक्षर	कृ, घ, , छ
सूर्य राशी	मिथुन
डेकानेट	3

### घात चक्र

राशी	कुंभ
मास	आषाढ
तिथी	2,7,12
दिवस	सोमवार
नक्षत्र	स्वाती
प्रहर	3
लग्न	कर्क
योग	परिघ
करण	कौलव

### शुभ अशुभ विचार

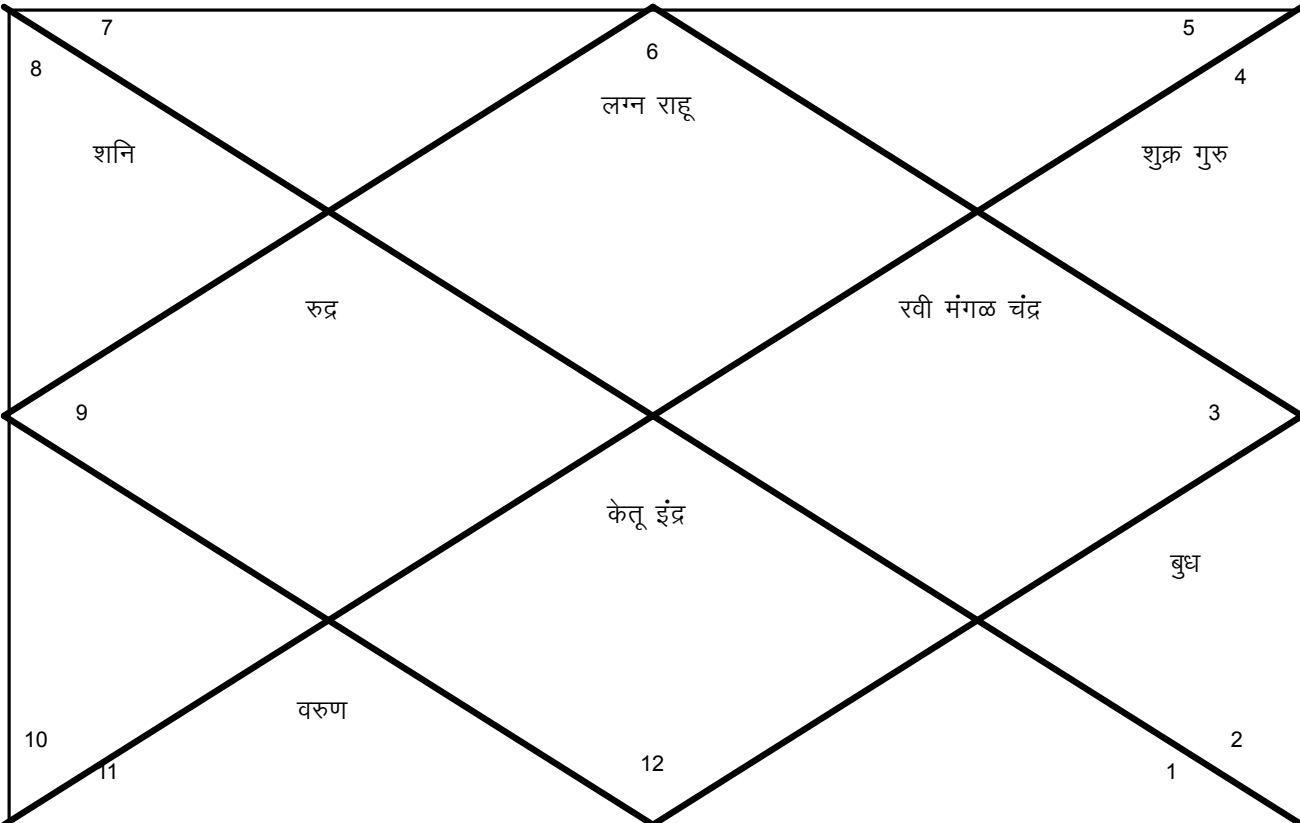
सौभाग्य अंक	8
शुभांक	2, 4, 5, 8
अशुभ अंक	1, 7, 9
शुभ वर्ष	17,26,35,44,53
शुभ दिन	बुधवार, शुक्रवार
शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
अशुभ ग्रह	मंगळ, गुरु
मित्र राशी	वृषभ सिंह तूळ
शुभ लग्न	धनू, मीन, वृषभ, मकर
शुभ धातू	कांस्य
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ वेळ	सूर्योदयाच्या दोन तासा नंतर
शुभ दिशा	उत्तर

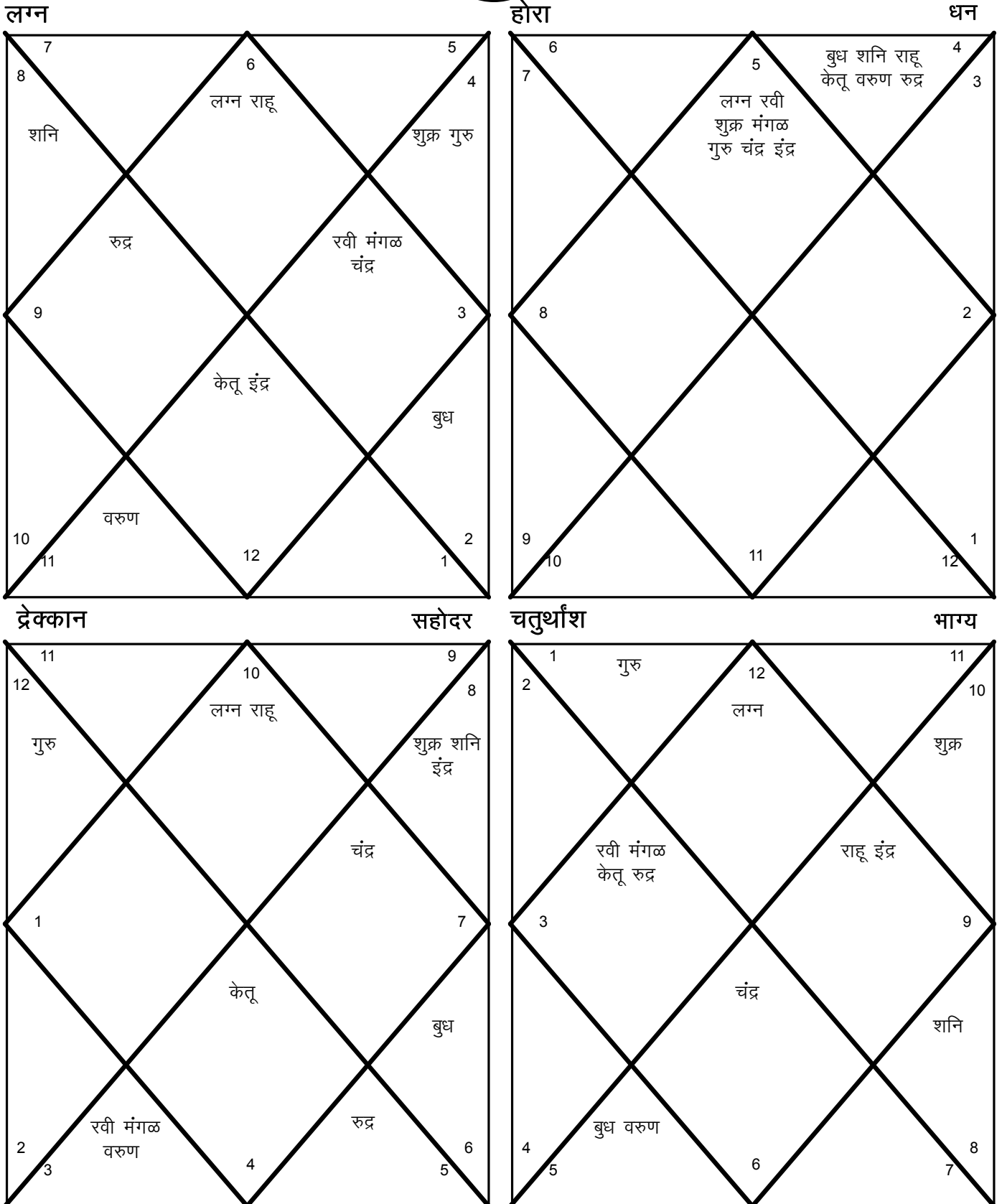
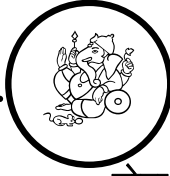


### जन्माच्या वेळी ग्रहाची स्थिती

ग्रह	राशी	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	पद	दिशा	स्थिती
लग्न	कन्या	19:57:19	हस्त	चंद्र	3		—
रवी	मिथुन	01:46:14	मृगशिर	मंगळ	3	मार्गी	—
बुध	वृषभ	11:35:32	रोहिणी	चंद्र	1	मार्गी	—
शुक्र	कर्क	16:40:39	अश्लेष	बुध	1	मार्गी	—
मंगळ	मिथुन	01:02:07	मृगशिर	मंगळ	3	मार्गी	—
गुरु	कर्क	25:04:24	अश्लेष	बुध	3	मार्गी	—
शनी	वृश्चिक	05:46:47	अनुराधा	शनि	1	वक्री	—
चंद्र	मिथुन	11:03:52	अद्र	राहू	2	मार्गी	—
राहू	कन्या	12:25:45	हस्त	चंद्र	1	वक्री	—
केतू	मीन	12:25:45	उत्तर भाद्रपद	शनि	3	वक्री	—
इंद्र	मीन	25:49:18	रेवती	बुध	3	मार्गी	—
वरुण	कुंभ	15:44:18	शततारका	राहू	3	वक्री	—
रुद्र	धनू	20:39:36	पूर्वाषाढ	शुक्र	3	वक्री	—

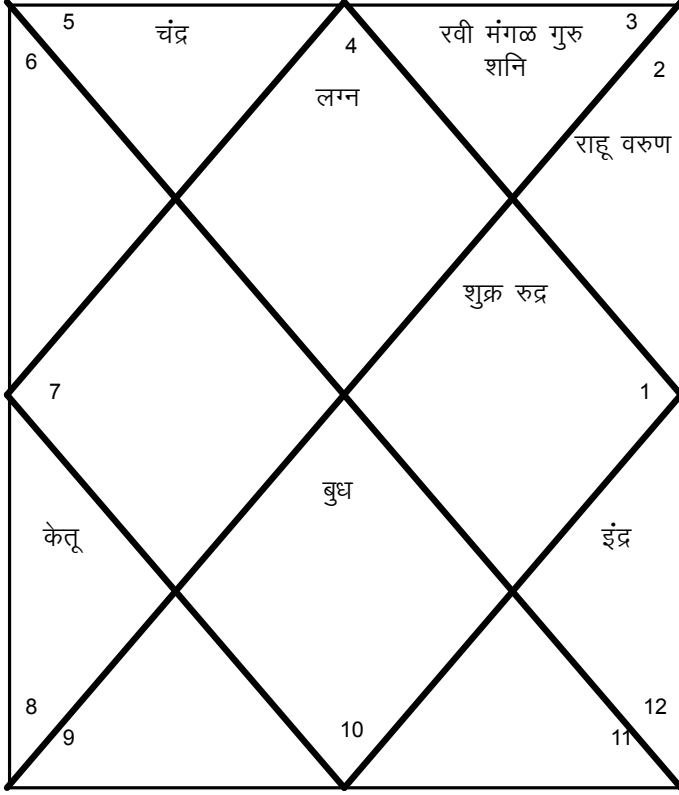
### लग्न कुंडली



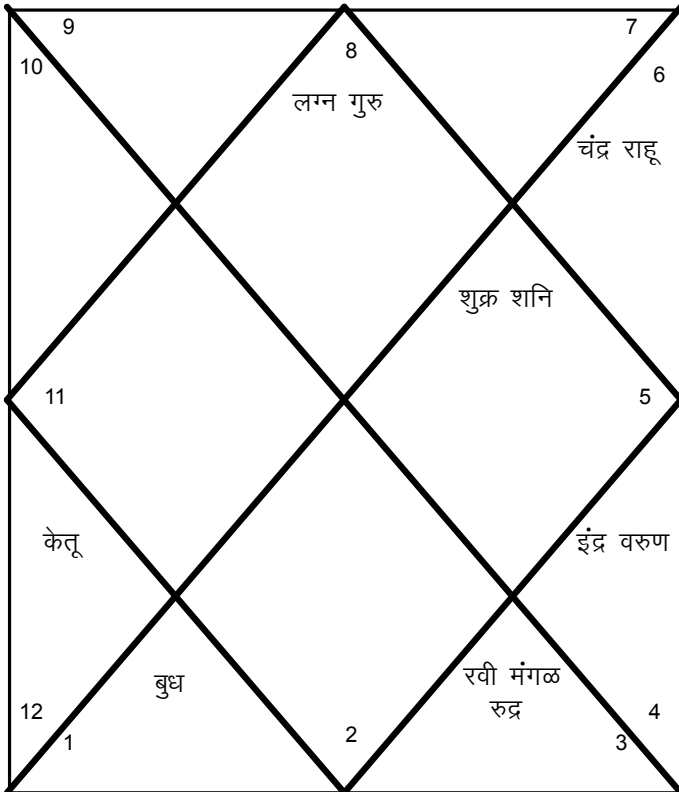




## सप्तमांश



## दशमांश



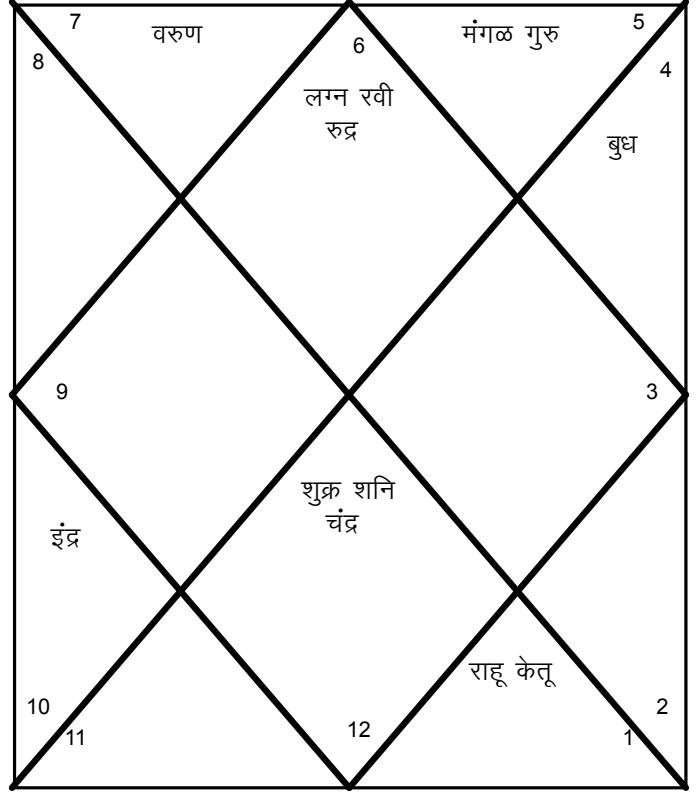
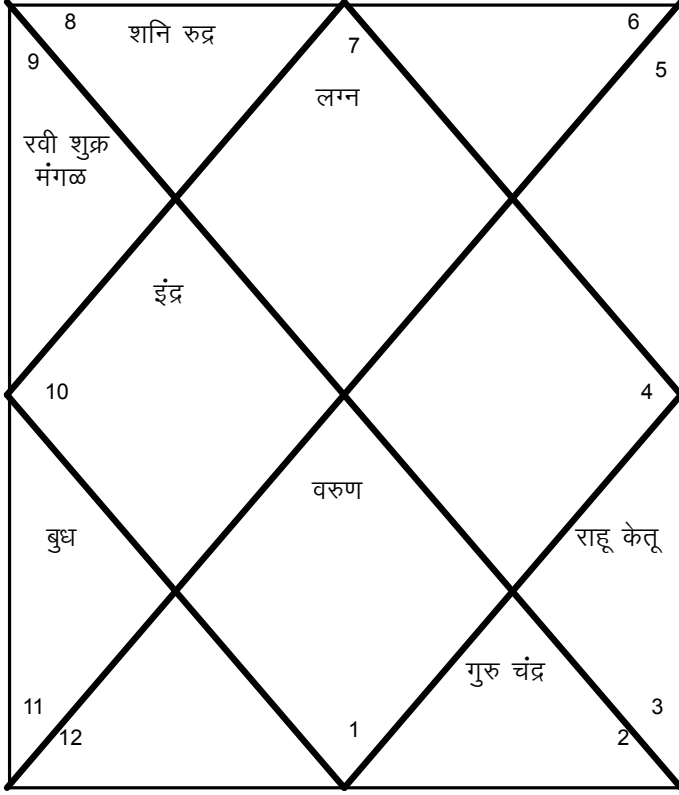


षोडशांश

वाहन

विंशांश

धार्मिक प्रवृत्ती

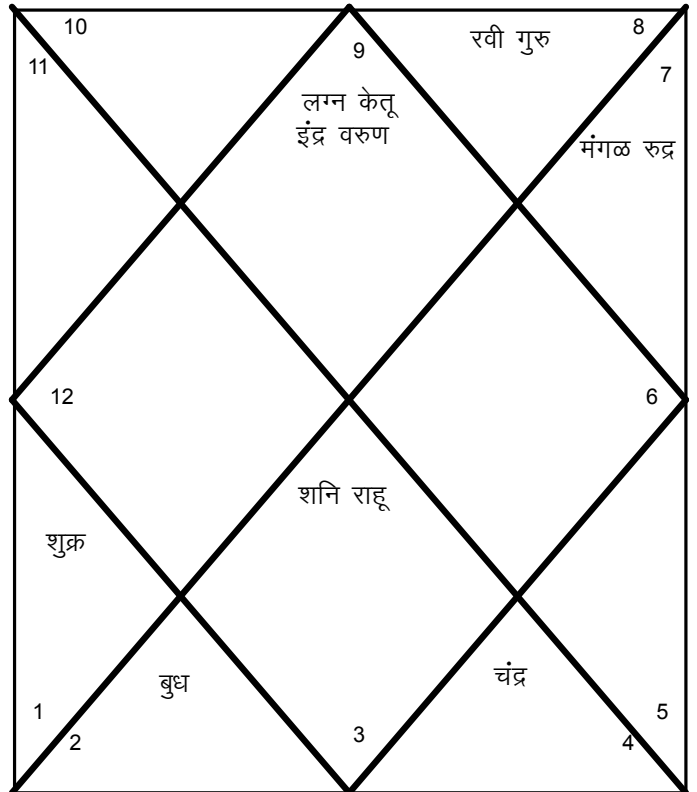
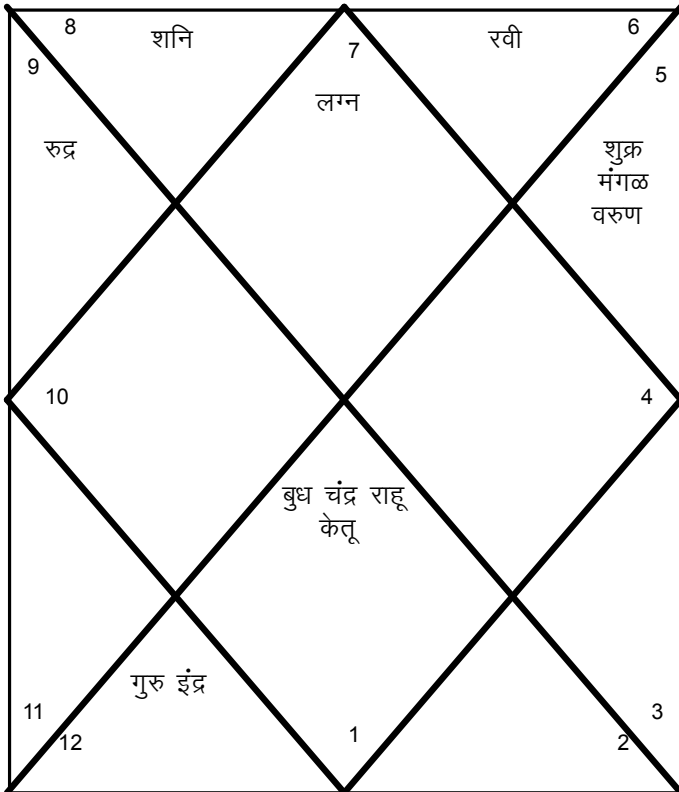


चतुर्विंशांश

शिक्षा

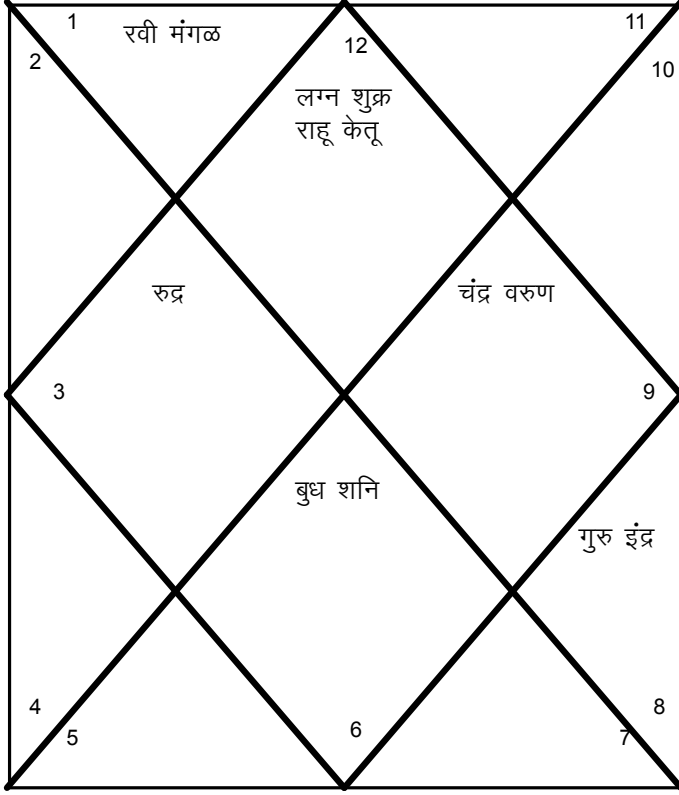
सप्तविंशांश

बल



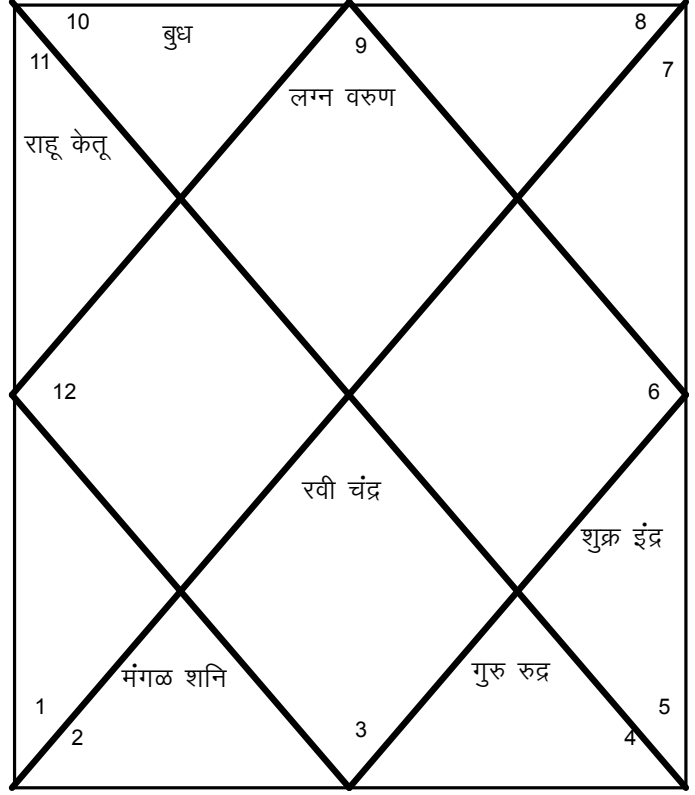


त्रिंशांश



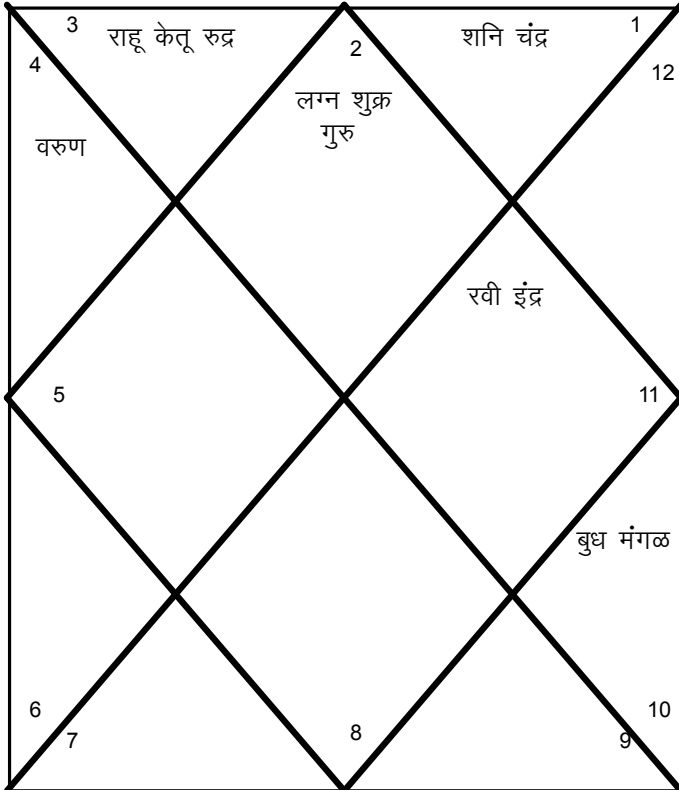
दुर्भाग्य

खवेदांश



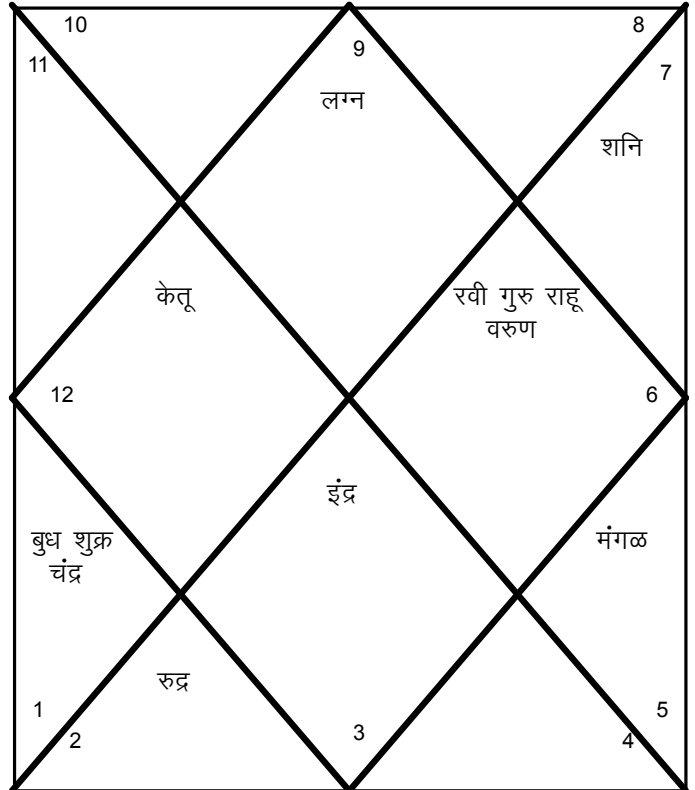
शुभ फळ

अक्षवेदांश

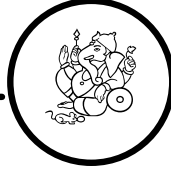


कुशल

षष्टि अंश



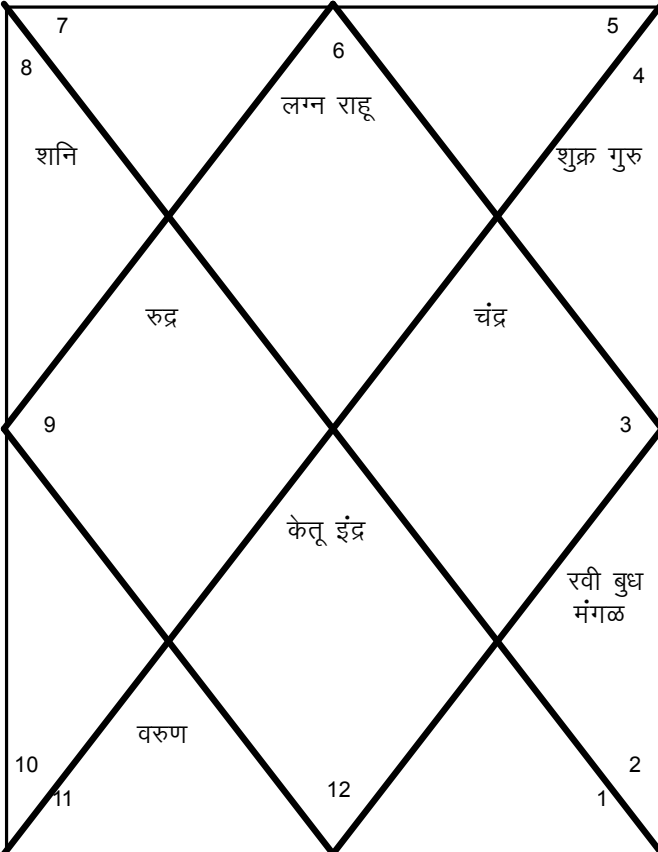
कुशल



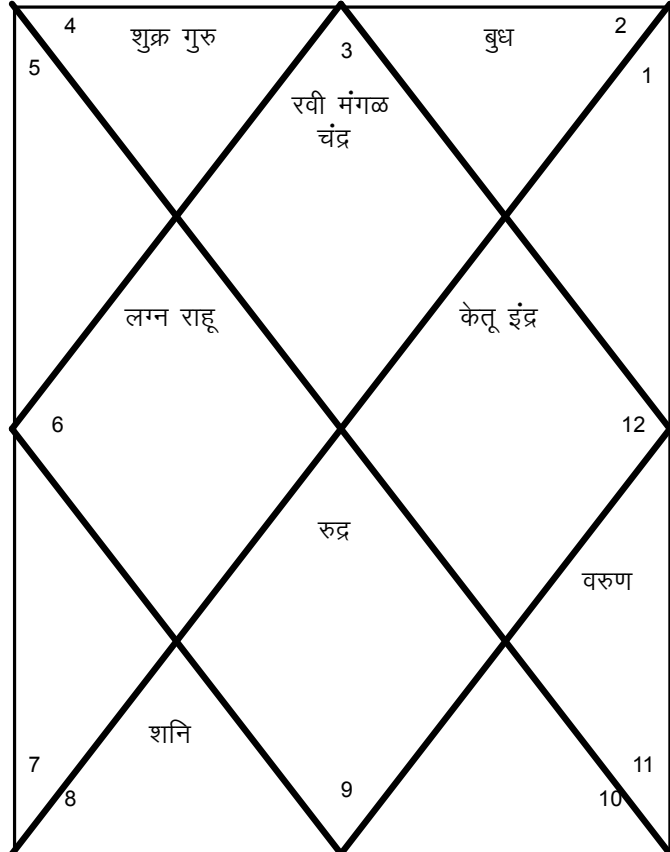
## भाव

भाव	भाव आरंभ	भाव मध्य
1	कन्या 05:02:14	कन्या 19:57:19
2	तूळ 05:02:14	तूळ 20:07:08
3	वृश्चिक 05:12:03	वृश्चिक 20:16:58
4	धनू 05:21:53	धनू 20:26:47
5	मकर 05:21:53	मकर 20:16:58
6	कुंभ 05:12:03	कुंभ 20:07:08
7	मीन 05:02:14	मीन 19:57:19
8	मेष 05:02:14	मेष 20:07:08
9	वृषभ 05:12:03	वृषभ 20:16:58
10	मिथुन 05:21:53	मिथुन 20:26:47
11	कर्क 05:21:53	कर्क 20:16:58
12	सिंह 05:12:03	सिंह 20:07:08

## भाव चलित चक्र



## चंद्र कुंडली





### सूर्य सम्बन्धित उपग्रह

उपग्रह	स्वामी	राशी	डिग्री	नक्षत्र	चरण
धूम	मंगळ	तूळ	15:06:14	स्वाती	3
व्यातिपात	राहू	कन्या	14:53:46	हस्त	2
परिवेश	चंद्र	मीन	14:53:46	उत्तर भाद्रपद	4
इंद्रचाप	शुक्र	मेष	15:06:14	भरणी	1
उपकेतू	केतू	वृषभ	01:46:14	कृतिका	2
भूकंप		सिंह	21:46:14	पूर्वा	3
उल्का		तूळ	01:46:14	चित्रा	3
ब्रह्मदंड		धनू	08:26:14	मूळ	3
ध्वजा		कुंभ	28:26:14	पूर्व भाद्रपद	3

### वार आधारित उपग्रह (पाराशर)

उपग्रह	राशी	डिग्री	स्वामी	नक्षत्र	चरण
काळबेला	कन्या	01:39:17	बुध	उत्तरा	2
परिधि	कन्या	24:37:01	बुध	चित्रा	1
मृत्यू	तूळ	16:57:50	शुक्र	स्वाती	4
अर्धप्रहर	मिथुन	01:19:40	बुध	मृगशिर	3
यमकन्टक	मिथुन	24:27:20	बुध	पुनर्वसू	2
कोदंड	कर्क	16:25:20	चंद्र	पुष्य	4
गुलिका	सिंह	08:47:49	रवी	माघ	3
मंडी	सिंह	25:37:46	रवी	पूर्वा	4

### वार आधारित उपग्रह (कालीदास)

उपग्रह	राशी	डिग्री	स्वामी	नक्षत्र	चरण
काळबेला	कन्या	24:37:01	बुध	चित्रा	1
परिधि	तूळ	16:57:50	शुक्र	स्वाती	4
मृत्यू	मिथुन	01:19:40	बुध	मृगशिर	3
अर्धप्रहर	मिथुन	24:27:20	बुध	पुनर्वसू	2
यमकन्टक	कर्क	16:25:20	चंद्र	पुष्य	4
कोदंड	सिंह	08:47:49	रवी	माघ	3
गुलिका	कन्या	01:39:17	बुध	उत्तरा	2
मंडी	सिंह	25:37:46	रवी	पूर्वा	4





## भिन्नाष्टक वर्ग

शनी												गुरु													
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	0	-	-	-	-	0	-	-	-	0	-	0	शनि	0	-	-	-	-	-	0	-	-	0	-	0
गुरु	-	0	0	-	-	-	-	0	0	-	-	-	गुरु	0	0	-	0	0	0	0	-	-	0	0	-
मंगळ	0	0	-	-	0	-	0	0	-	-	-	0	मंगळ	0	-	0	0	-	0	-	-	0	0	-	0
रवी	0	-	0	0	-	0	-	-	0	0	-	0	रवी	0	-	0	0	0	0	-	-	0	0	0	0
शुक्र	-	0	0	-	-	-	-	-	0	-	-	-	शुक्र	0	0	-	-	0	-	-	0	0	-	-	0
बुध	0	-	-	-	-	-	0	-	0	0	0	0	बुध	-	0	0	-	0	0	0	-	-	0	0	0
चंद्र	0	-	-	-	0	-	-	0	-	-	-	-	चंद्र	0	-	-	0	-	-	0	-	0	-	0	-
लग्न	-	-	0	0	-	0	-	0	0	-	0	-	लग्न	-	0	0	0	-	0	0	-	0	0	0	0
कूल	5	3	4	2	2	3	2	4	5	3	2	4	कूल	6	4	4	5	4	5	5	1	5	6	5	6

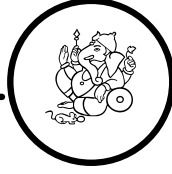
मंगळ												रवी													
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	-	0	0	0	0	0	-	0	-	-	0	-	शनि	-	0	0	0	0	0	-	0	0	-	0	-
गुरु	0	0	0	-	-	-	-	-	0	-	-	-	गुरु	-	0	-	-	-	-	-	0	0	-	-	0
मंगळ	0	-	0	0	-	0	-	-	0	0	-	0	मंगळ	0	-	0	0	-	0	-	-	0	0	0	0
रवी	0	-	-	-	0	-	0	0	-	-	-	0	रवी	0	-	0	0	-	0	-	-	0	0	0	0
शुक्र	-	0	0	-	-	-	-	-	0	-	0	-	शुक्र	-	-	0	-	-	-	-	-	0	0	-	-
बुध	-	-	-	0	-	0	0	-	-	-	-	0	बुध	0	-	-	0	-	0	0	-	-	0	0	0
चंद्र	0	-	-	-	0	-	-	0	-	-	-	-	चंद्र	0	-	-	-	0	-	-	0	-	-	-	0
लग्न	-	-	0	0	-	0	-	0	-	-	0	-	लग्न	-	-	0	0	0	-	-	0	0	-	0	-
कूल	4	3	5	4	3	4	2	4	3	1	3	3	कूल	4	2	5	5	3	4	1	4	6	4	5	5



## भिन्नाष्टक वर्ग

शुक्र													बुध												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	-	-	0	0	0	0	-	-	-	0	0	0	शनि	-	0	0	0	0	0	-	0	0	-	0	-
गुरु	0	0	-	-	-	-	-	0	-	-	0	0	गुरु	-	0	0	-	-	-	-	-	0	-	0	-
मंगळ	0	0	-	-	0	-	0	0	-	-	0	-	मंगळ	0	-	0	0	-	0	-	-	0	0	0	0
रवी	0	0	-	-	-	-	-	-	-	0	-	-	रवी	0	0	-	-	-	-	0	0	-	-	0	-
शुक्र	0	0	-	0	0	0	0	0	-	-	0	0	शुक्र	-	0	-	0	0	0	0	0	-	-	0	0
बुध	-	-	-	0	-	0	0	-	-	0	-	0	बुध	0	0	-	0	-	0	0	-	-	0	0	0
चंद्र	0	0	0	0	0	0	0	-	-	0	0	-	चंद्र	0	-	-	0	-	0	-	0	-	0	-	0
लग्न	0	0	-	0	-	0	0	0	0	0	-	-	लग्न	0	-	0	0	-	0	0	-	0	-	0	-
कूल	6	6	2	5	4	5	5	4	1	5	5	4	कूल	5	5	4	6	2	6	4	4	4	3	7	4

चंद्र													लग्न												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	0	-	-	-	-	0	-	-	-	0	-	0	शनि	0	-	-	-	0	0	-	0	-	0	0	-
गुरु	0	0	0	0	-	-	0	-	-	0	0	-	गुरु	0	0	-	0	0	-	0	0	0	0	-	0
मंगळ	0	-	-	0	0	-	0	0	-	-	0	0	मंगळ	0	-	0	-	0	-	-	0	-	-	-	0
रवी	0	-	-	-	0	-	-	0	0	0	-	0	रवी	0	0	-	-	0	0	-	0	-	-	-	0
शुक्र	0	0	-	-	-	0	0	0	-	0	-	0	शुक्र	-	-	-	0	0	0	0	0	-	-	0	0
बुध	-	0	-	0	0	0	-	0	0	-	0	0	बुध	-	0	0	-	0	-	0	-	0	-	0	0
चंद्र	0	-	0	-	0	-	-	0	0	-	-	0	चंद्र	0	0	-	-	0	-	-	0	-	-	-	0
लग्न	-	-	0	0	-	-	-	0	-	-	0	-	लग्न	-	-	0	0	-	-	-	0	-	-	0	-
कूल	6	3	3	4	4	3	3	6	3	4	4	6	कूल	5	4	3	3	7	3	3	7	2	2	4	6



### अष्टकवर्ग (शोधनपूर्व)

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	कूळ
रवी	4	2	5	5	3	4	1	4	6	4	5	5	48
चंद्र	6	3	3	4	4	3	3	6	3	4	4	6	49
मंगळ	4	3	5	4	3	4	2	4	3	1	3	3	39
बुध	5	5	4	6	2	6	4	4	4	3	7	4	54
गुरु	6	4	4	5	4	5	5	1	5	6	5	6	56
शुक्र	6	6	2	5	4	5	5	4	1	5	5	4	52
शनी	5	3	4	2	2	3	2	4	5	3	2	4	39
<b>कूळ</b>	<b>36</b>	<b>26</b>	<b>27</b>	<b>31</b>	<b>22</b>	<b>30</b>	<b>22</b>	<b>27</b>	<b>27</b>	<b>26</b>	<b>31</b>	<b>32</b>	<b>337</b>
राहू	1	4	4	3	6	2	5	2	7	5	2	3	44
लग्न	5	4	3	3	7	3	3	7	2	2	4	6	49

### त्रिकोण शोधनच्या पश्चात

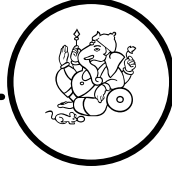
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रवी	1	0	4	1	0	2	0	0	3	2	4	1
चंद्र	3	0	0	0	1	0	0	2	0	1	1	2
मंगळ	1	2	3	1	0	3	0	1	0	0	1	0
बुध	3	2	0	2	0	3	0	0	2	0	3	0
गुरु	2	0	0	4	0	1	1	0	1	2	1	5
शुक्र	5	1	0	1	3	0	3	0	0	0	3	0
शनी	3	0	2	0	0	0	0	2	3	0	0	2

### एकाधिपत्य शोधनच्या पश्चात

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रवी	1	0	4	1	0	0	0	0	2	0	2	0
चंद्र	2	0	0	0	1	0	0	2	0	0	0	2
मंगळ	0	2	3	1	0	0	0	1	0	0	1	0
बुध	3	2	0	2	0	3	0	0	2	0	3	0
गुरु	2	0	0	4	0	1	1	0	0	1	0	4
शुक्र	5	1	0	1	3	0	2	0	0	0	3	0
शनी	2	0	2	0	0	0	0	2	1	0	0	0

### शोध्य पिन्ड

पिन्ड	रवी	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह	89	10	86	44	68	22	46
राशी	83	64	67	115	95	126	55
शोध्य	<b>172</b>	<b>74</b>	<b>153</b>	<b>159</b>	<b>163</b>	<b>148</b>	<b>101</b>



## नैसर्गिक

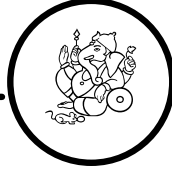
	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू
रवी	—	सम	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	शत्रू
बुध	मित्र	—	मित्र	सम	सम	सम	शत्रू	सम	सम
शुक्र	शत्रू	मित्र	—	सम	सम	मित्र	शत्रू	मित्र	मित्र
मंगळ	मित्र	शत्रू	सम	—	मित्र	सम	मित्र	शत्रू	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	—	सम	मित्र	मित्र	सम
शनि	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	सम	—	शत्रू	मित्र	शत्रू
चंद्र	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम	—	शत्रू	शत्रू
राहू	शत्रू	सम	मित्र	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	—	शत्रू
केतू	शत्रू	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रू	शत्रू	शत्रू	—

## तात्कालिक

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू
रवी	—	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	—	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	मित्र
शुक्र	मित्र	मित्र	—	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू
मंगळ	शत्रू	मित्र	मित्र	—	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	—	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू
शनि	शत्रू	शत्रू	शत्रू	शत्रू	शत्रू	—	शत्रू	मित्र	शत्रू
चंद्र	शत्रू	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	—	मित्र	मित्र
राहू	मित्र	शत्रू	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	—	शत्रू
केतू	मित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	शत्रू	मित्र	शत्रू	—

## पंचधा

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू
रवी	—	मित्र	सम	सम	परममित्र	परमशत्रू	सम	सम	सम
बुध	परममित्र	—	परममित्र	मित्र	मित्र	शत्रू	सम	शत्रू	मित्र
शुक्र	सम	परममित्र	—	मित्र	शत्रू	सम	सम	परममित्र	सम
मंगळ	सम	सम	मित्र	—	परममित्र	शत्रू	सम	सम	परममित्र
गुरु	परममित्र	सम	परमशत्रू	परममित्र	—	शत्रू	परममित्र	परममित्र	शत्रू
शनि	परमशत्रू	सम	सम	परमशत्रू	शत्रू	—	परमशत्रू	परममित्र	परमशत्रू
चंद्र	सम	परममित्र	मित्र	शत्रू	मित्र	शत्रू	—	सम	सम
राहू	सम	शत्रू	परममित्र	सम	परममित्र	परममित्र	सम	—	परमशत्रू
केतू	सम	मित्र	सम	परममित्र	शत्रू	परमशत्रू	सम	परमशत्रू	—



### सुदर्शन चक्र

02/14/26/38/50/62/74/86/98/110

01/13/25/37/49/61/73/85/97/109

12/24/36/48/60/72/84/96/108/120

7	लग्न राहू		6	5	
8	शनि	4 शुक्र गुरु	रवी मंगळ चंद्र	3	बुध
	5	4 शुक्र गुरु	रवी मंगळ चंद्र	3	बुध
9	रुद्र	6 लग्न राहू	6 लग्न राहू	केतू इंद्र	12
		7 शनि	रुद्र	वरुण	12
		8 शनि	रुद्र	वरुण	3 रवी मंगळ चंद्र
10	वरुण	8	केतू इंद्र	11	बुध
		9	केतू इंद्र	10	
		10	केतू इंद्र	11	
		11	केतू इंद्र	12	
		12	केतू इंद्र	1	

06/18/30/42/54/66/78/90/102

07/19/31/43/55/67/79/91/103

08/20/32/44/56/68/92/104

सुदर्शन चक्र मध्ये मुणुष्याचे भविष्य लग्नाच्या व्यतिरिक्त सूर्य व चंद्रानेपण पारखली जाते. ह्याच्या अनुसार एकाच दृष्टीने लग्न, सूर्य आणि चंद्राने ग्रहांची स्थिती प्राप्त करू शकते.

शुभ अशुभ घटना व त्यांचा खरा वेळ सुदर्शन चक्राद्वारे प्राप्त करू शकतो.



## कारक ग्रह

	स्थिर कारक	सप्तकारक	अष्टकारक
रवी	पिता	ज्ञाति	ज्ञाती
बुध	बुद्धी	भ्रातृ	मातृ
शुक्र	जीवनसाथी	आमात्य	भ्रातृ
मंगळ	विक्रम	कलत्र	कलत्र
गुरु	धनसंपदा	आत्म	आत्म
शनि	परमायू	पुत्र	पुत्र
चंद्र	माता	मातृ	पितृ
राहू	अभिलाषा	---	अमात्य
केतू	मोक्ष	---	---

## ग्रहस्थिती

	अवस्था 3	अवस्था 5	अवस्था 6	अवस्था 9	अवस्था 10	अवस्था 12
रवी	स्वप्न	बाळ	मुदित	शांत	हर्षित	गमन
बुध	स्वप्न	वृद्ध	---	प्रमुदित	शांत	नेत्रपानी
शुक्र	स्वप्न	युवा	मुदित	दीन	शांत	शयन
मंगळ	स्वप्न	बाळ	---	दीन	शांत	नेत्रपानी
गुरु	जाग्रत	बाळ	गर्वित	शोभीत	दीप्त	शयन
शनि	स्वप्न	मृत	---	दीन	पीडित	नेत्रपानी
चंद्र	स्वप्न	कुमार	मुदित	शांत	हर्षित	निद्रा
राहू	स्वप्न	युवा	क्षुदित	दीन	शांत	कौतुक
केतू	स्वप्न	युवा	क्षुदित	दीन	शांत	भोजन

## नव तारा चक्र

जन्म	संपत्त	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	परममित्र
06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	01	02	03	04	05



### ग्रहसंयोग अथवा दृष्टी

ग्रह	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनि	चंद्र	राहू	केतू	इंद्र	वरुण	रुद्र
लग्न	108	128	63 SXT	109	55	46 SSQ	99	8	172	186	146 BQT	91 SQU
रवी		20	45 SSQ	1 CNJ	53	154	9	101	281	294	254	199
बुध			65	19	73 QNT	174	29 SSX	121 TRN	301 SXT	314 SSQ	274	219 BQT
शुक्र				46 SSQ	8	109	36	56	236	249	209 QNC	154
मंगळ					54	155	10	101	281	295	255	200
गुरु						101	44 SSQ	47 SSQ	227 SQQ	241 TRN	201	146 BQT
शनि							145 BQT	53	127	140	100	45 SSQ
चंद्र								91 SQU	271 SQU	285 QNT	245	190
राहू									180 OPP	193	153 QNC	98
केतू										13	27 SSX	82
इंद्र											40	95
वरुण												55

### Index of Words:

CNJ: Conjunction	TRN: Trine	SSQ: Semi Square	QNT: Quintile
OPP: Opposition	SXT: Sextile	QNC: Quincunx	BQT: Bi Quintile
SQU: Square	SQQ: Sesquiquadrate	SSX: Semi Sextile	

ग्रह दृष्टीच्या विचारासाठी 3 डिग्री 20 मिनिटचा प्रभाव क्षेत्र घेतला आहे.

### पाराशरी दृष्टी

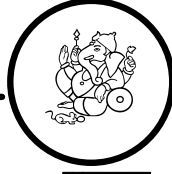
ग्रह	द्वारा दृष्ट	ग्रह	द्वारा दृष्ट
रवी	—	शुक्र	—
चंद्र	—	शनि	बुध गुरु
मंगळ	—	राहू	मंगळ केतू
बुध	शनि	केतू	गुरु राहू
गुरु	—	लग्न	मंगळ केतू



## शनी साडे साती

शनी साडे साती	राशी	प्रवेश	निर्गम	मूर्ती
अष्टमाशनि	मकर	24-01-2020	28-04-2022	लोह
अष्टमाशनि	मकर	13-07-2022	17-01-2023	लोह
साडेसाती	वृषभ	08-08-2029	05-10-2029	स्वर्ण
साडेसाती	वृषभ	17-04-2030	30-05-2032	लोह
जन्मशनी	मिथुन	31-05-2032	12-07-2034	रजत
साडेसाती	कर्क	13-07-2034	27-08-2036	लोह
कंटकशनी	कन्या	23-10-2038	05-04-2039	रजत
कंटकशनी	कन्या	13-07-2039	27-01-2041	रजत
कंटकशनी	कन्या	06-02-2041	25-09-2041	लोह
अष्टमाशनि	मकर	07-03-2049	09-07-2049	रजत
अष्टमाशनि	मकर	04-12-2049	24-02-2052	स्वर्ण
साडेसाती	वृषभ	28-05-2059	10-07-2061	स्वर्ण
साडेसाती	वृषभ	14-02-2062	06-03-2062	रजत
जन्मशनी	मिथुन	11-07-2061	13-02-2062	तांबा
जन्मशनी	मिथुन	07-03-2062	23-08-2063	रजत
जन्मशनी	मिथुन	06-02-2064	09-05-2064	रजत
साडेसाती	कर्क	24-08-2063	05-02-2064	तांबा
साडेसाती	कर्क	10-05-2064	12-10-2065	लोह
साडेसाती	कर्क	04-02-2066	02-07-2066	लोह
कंटकशनी	कन्या	30-08-2068	04-11-2070	लोह
अष्टमाशनि	मकर	15-01-2079	11-04-2081	स्वर्ण
अष्टमाशनि	मकर	03-08-2081	06-01-2082	लोह
साडेसाती	वृषभ	18-07-2088	30-10-2088	रजत
साडेसाती	वृषभ	06-04-2089	18-09-2090	रजत
साडेसाती	वृषभ	25-10-2090	20-05-2091	रजत
जन्मशनी	मिथुन	19-09-2090	24-10-2090	रजत
जन्मशनी	मिथुन	21-05-2091	02-07-2093	लोह
साडेसाती	कर्क	03-07-2093	18-08-2095	स्वर्ण
कंटकशनी	कन्या	12-10-2097	02-05-2098	रजत
अष्टमाशनि	मकर	25-02-2108	28-07-2108	रजत





## षड्बल

	रवी	बुध	शुक्र	मंगळ	गुरु	शनी	चंद्र
उच्च बल	42.74	18.86	23.44	18.99	53.31	54.74	47.31
सप्तवर्गीय बल	105.00	71.25	60.00	82.50	110.62	52.50	86.25
दिनरात्रि बल	30	15	15	30	15	15	15
केन्द्रादि बल	60.00	15.00	30.00	60.00	30.00	15.00	60.00
द्रेक्कान बल	15.00	15.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00
स्थान बल	252.74	135.11	128.44	206.49	208.93	137.24	208.56
दिग बल	53.77	17.21	8.74	53.53	41.71	15.27	3.13
नतोनन्त बल	53.90	60.00	53.90	6.10	53.90	6.10	6.10
पक्ष बल	56.90	3.10	3.10	56.90	3.10	56.90	3.10
त्रिभाग बल	60.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00
वार बल	0.00	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00
अयन बल	58.61	51.89	46.42	58.37	43.62	49.95	1.71
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
काल बल	229.41	174.99	103.42	121.37	160.62	112.95	100.91
चेष्टा बल	58.61	42.13	38.71	31.17	52.09	35.82	3.1
नैसर्गिक बल	60	25.71	42.86	17.14	34.29	8.57	51.43
द्रिक बल	-11.75	-11.95	-14.28	-11.84	-16.38	3.62	-10.59
कुल षड्बल	642.78	383.20	307.89	417.86	481.26	313.47	356.54
रूपचे षड्बल	10.71	6.39	5.13	6.96	8.02	5.22	5.94
थोडक्याचा अंश	1.65	0.91	0.93	1.39	1.23	1.04	0.99
स्थान बल अंश	1.53	0.82	0.97	2.15	1.27	1.43	1.57
दिग बल अंश	1.54	0.49	0.17	1.78	1.19	0.51	0.06
काल बल अंश	2.05	1.56	1.03	1.81	1.43	1.69	1.01
चेष्टा बल अंश	1.17	0.84	1.29	0.78	1.04	0.9	0.1
आयन बल अंश	1.95	1.73	1.16	2.92	1.45	2.5	0.04
स्थिती	1	4	7	3	2	6	5
इष्ट फल	50.05	28.19	30.12	24.33	52.70	44.28	12.11
कष्ट फल	4.89	27.11	27.90	34.38	7.27	11.28	26.87



### जन्माच्या वेळी ग्रहाची स्थिती

ग्रह	राशी	डिग्री	नक्षत्र	र.न.उ. स्वामी	दिशा	स्थिती
लग्न	कन्या	20:03:04	हस्त	बुध-चंद्र-केतू		-
रवी	मिथुन	01:51:59	मृगशिर	बुध-मंगळ-बुध	मार्गी	-
बुध	वृषभ	11:41:18	रोहिणी	शुक्र-चंद्र-मंगळ	मार्गी	-
शुक्र	कर्क	16:46:25	अश्लेष	चंद्र-बुध-बुध	मार्गी	-
मंगळ	मिथुन	01:07:52	मृगशिर	बुध-मंगळ-बुध	मार्गी	-
गुरु	कर्क	25:10:09	अश्लेष	चंद्र-बुध-राहू	मार्गी	-
शनी	वृश्चिक	05:52:32	अनुराधा	मंगळ-शनि-बुध	वक्री	-
चंद्र	मिथुन	11:09:37	अद्र	बुध-राहू-शनि	मार्गी	-
राहू	कन्या	12:31:30	हस्त	बुध-चंद्र-राहू	वक्री	-
केतू	मीन	12:31:30	उत्तर भाद्रपद	गुरु-शनि-मंगळ	वक्री	-
इंद्र	मीन	25:55:03	रेवती	गुरु-बुध-राहू	मार्गी	-
वरुण	कुंभ	15:50:03	शततारका	शनि-राहू-शुक्र	वक्री	-
रुद्र	धनू	20:45:21	पूर्वाषाढ	गुरु-शुक्र-गुरु	वक्री	-

पार्स फॉरच्युना: कन्या

29:20:42

### कृष्णमूर्ति गृह कस्प

गृह	गृह कस्प	र.न.उ. स्वामी	भाव अवधि
I.	कन्या 19:45:01	बु-चं-के	169:45:01 - 198:24:42
II.	तूळ 18:24:42	शु-र-चं	198:24:42 - 228:49:49
III.	वृश्चिक 18:49:49	मं-बु-के	228:49:49 - 260:13:40
IV.	धनू 20:13:40	गु-शु-गु	260:13:40 - 291:49:40
V.	मकर 21:49:40	श-चं-शु	291:49:40 - 322:13:01
VI.	कुंभ 22:13:01	श-गु-श	322:13:01 - 349:45:01
VII.	मीन 19:45:01	गु-बु-शु	349:45:01 - 18:24:42
VIII.	मेष 18:24:42	मं-शु-र	18:24:42 - 48:49:49
IX.	वृषभ 18:49:49	शु-चं-बु	48:49:49 - 80:13:40
X.	मिथुन 20:13:40	बु-गु-गु	80:13:40 - 111:49:40
XI.	कर्क 21:49:40	चं-बु-सू	111:49:40 - 142:13:01
XII.	सिंह 22:13:01	सू-शु-श	142:13:01 - 169 45:01



भाव ग्रह कारक  
भाव कारक ग्रह बल

गृह	महाबली	बली	सामान्य	क्षीण
I.	—	—	बुध	शुक्र गुरु
II.	—	शनि	शुक्र	केतू
III.	—	मंगळ	—	रवी
IV.	—	—	गुरु	—
V.	—	शनि	—	केतू
VI.	—	शनि	केतू	—
VII.	—	—	गुरु	—
VIII.	—	मंगळ	बुध	रवी शुक्र गुरु
IX.	—	रवी मंगळ	शुक्र चंद्र	बुध राहू
X.	—	—	बुध शुक्र	गुरु
XI.	—	—	गुरु चंद्र	बुध राहू
XII.	—	—	रवी राहू	—

भावांचे कारक ग्रह

गृह	क.	ख.	ग.	घ.
I.	बुध	—	शुक्र गुरु	—
II.	शुक्र	शनि	—	शनि केतू
III.	मंगळ	—	रवी मंगळ	—
IV.	गुरु	—	—	—
V.	शनि	—	शनि केतू	—
VI.	शनि	केतू	शनि केतू	—
VII.	गुरु	—	—	—
VIII.	मंगळ	बुध	रवी मंगळ	शुक्र गुरु
IX.	शुक्र	रवी मंगळ चंद्र	—	रवी बुध मंगळ राहू
X.	बुध	शुक्र	शुक्र गुरु	—
XI.	चंद्र	गुरु	बुध राहू	—
XII.	रवी	राहू	—	—

क्रम: क. कस्प राशी स्वामी, ख. भाव स्थित ग्रह, ग. कस्प स्वामी नक्षत्रामध्ये ग्रह, घ. भाव स्थित ग्रहांच्या नक्षत्रामध्ये ग्रह

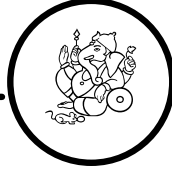


### ग्रहांचे कारक भाव

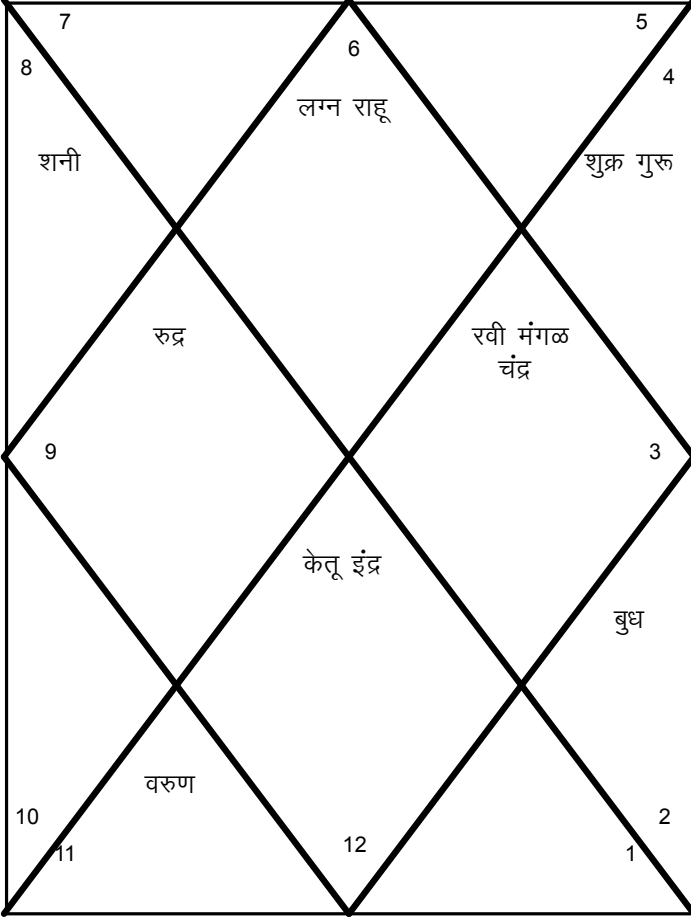
ग्रह	महाबळी	बळी	सामान्य	क्षीण
रवी	-	9	12	3 8
बुध	-	-	1 8 10	9 11
शुक्र	-	-	2 9 10	1 8
मंगळ	-	3 8 9	-	-
गुरु	-	-	4 7 11	1 8 10
शनि	-	2 5 6	-	-
चंद्र	-	-	9 11	-
राहू	-	-	12	9 11
केतू	-	-	6	2 5

### कारक उप पति

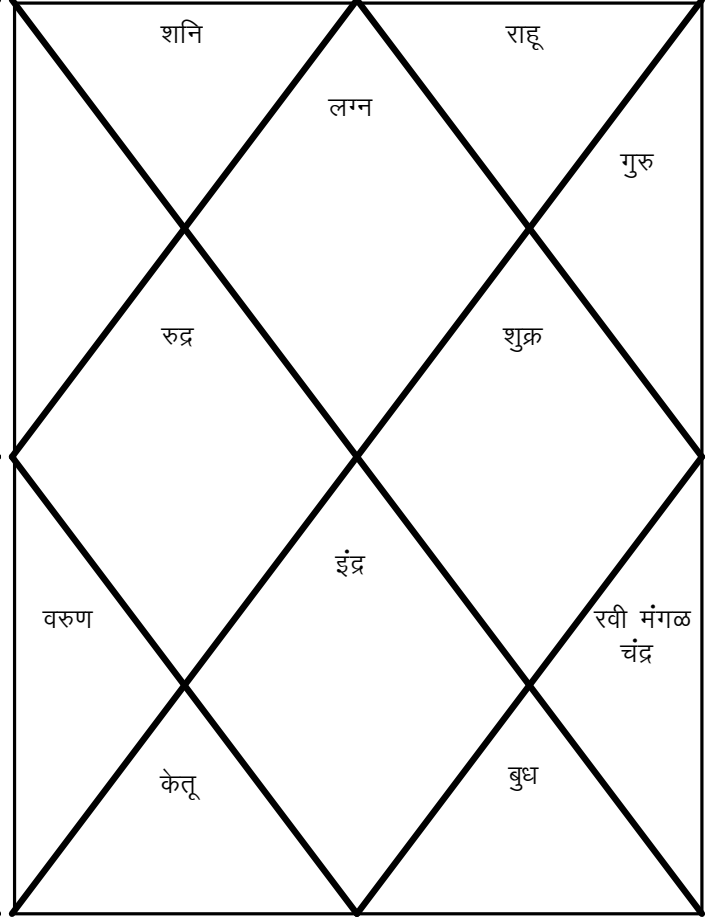
गृह	उप पति	महाबळी	बळी	सामान्य	क्षीण
I.	केतू	-	-	6	2 5
II.	चंद्र	-	-	9 11	-
III.	केतू	-	-	6	2 5
IV.	गुरु	-	-	4 7 11	1 8 10
V.	शुक्र	-	-	2 9 10	1 8
VI.	शनि	-	2 5 6	-	-
VII.	शुक्र	-	-	2 9 10	1 8
VIII.	राहू	-	-	12	9 11
IX.	बुध	-	-	1 8 10	9 11
X.	गुरु	-	-	4 7 11	1 8 10
XI.	रवी	-	9	12	3 8
XII.	शनि	-	2 5 6	-	-



### कृष्णमूर्ति लग्न कुंडली



### कृष्णमूर्ति भाव कुंडली



#### स्वामी ग्रह

दिवस स्वामी	बुध
लग्न राशी स्वामी	बुध
लग्न नक्षत्र स्वामी	चंद्र
लग्न उप स्वामी	केतू
चंद्र राशी स्वामी	बुध
चंद्र नक्षत्र स्वामी	राहू
चंद्र उप स्वामी	शनी

पार्स फॉरच्युना

के.पी. अयनांश

जन्म वेळेची विंशोत्तरी

दशा शेष

कन्या 29:20:42

23:58:35

राहू: 11 वर्ष

11 मास 6 दिवस



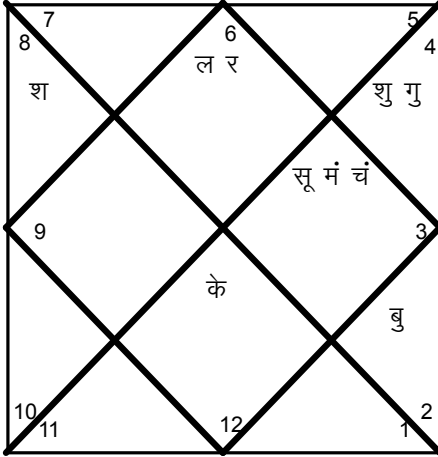
### जैमिनी लग्न व स्फुट

लग्न	राशी
जन्म लग्न	कन्या
द्रेष्काण लग्न (पारंपरिक)	मकर
द्रेष्काण लग्न (परिवृत्ति त्रय)	सिंह
द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ)	सिंह
नवांश लग्न (पारंपरिक)	मिथुन
नवांश लग्न (कृष्ण मिश्र)	मेष
अरुढ लग्न (पारंपरिक)	मकर
अरुढ लग्न (सशर्त)	मकर
उपपद लग्न (पारंपरिक)	मेष
उपपद लग्न (सशर्त)	मेष
स्वांश लग्न	मिथुन
कारकांश लग्न	कुंभ
पाक लग्न	वृषभ
होरा लग्न (पारंपरिक)	मेष
होरा लग्न (वृद्धिकारक)	मीन
होरा लग्न (सव्यव)	वृश्चिक
भाव लग्न	धनू
घटिका लग्न	मीन
सपद घटिका लग्न	मेष
अयुर लग्न	मेष
वर्णद लग्न	तूळ
श्री लग्न	मकर
इन्दु लग्न	मिथुन
तारा लग्न	धनू
नक्षत्र लग्न	धनू
दिव्य लग्न	वृश्चिक
त्रिपवन लग्न	वृषभ
स्फुट योग लग्न	वृषभ

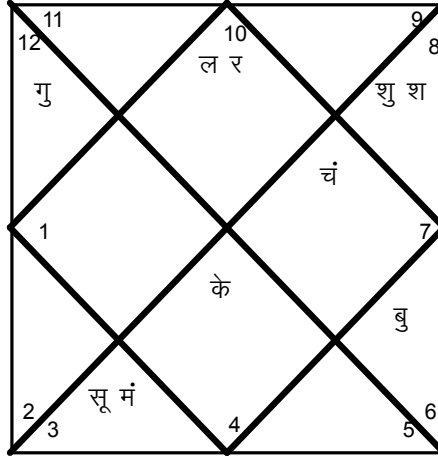


## जैमिनी लग्न कुंडली

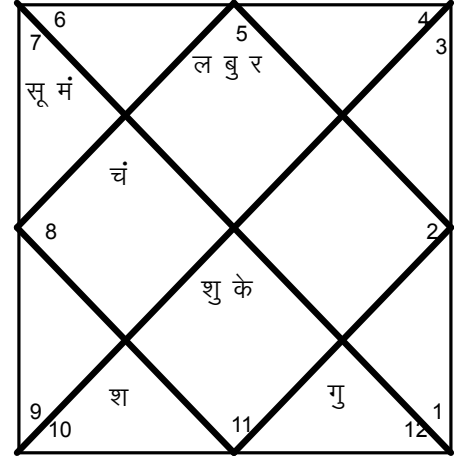
जन्म लग्न



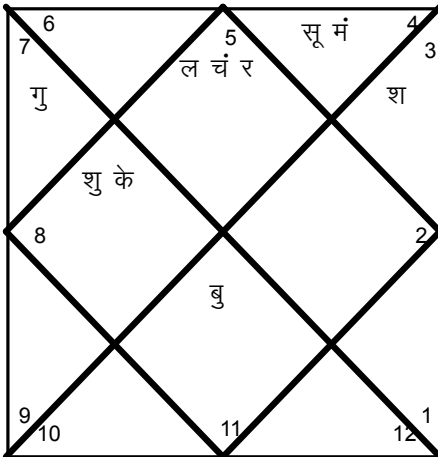
द्रेष्काण पारंपरिक



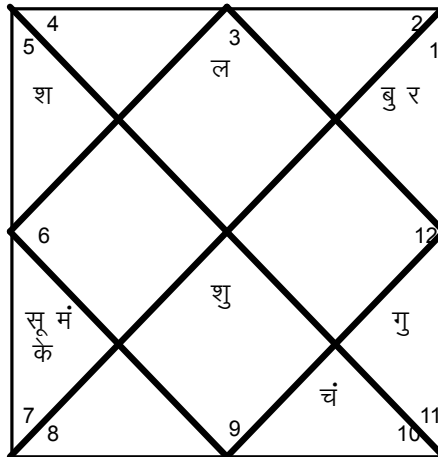
द्रेष्काण परिवृत्ति त्रय



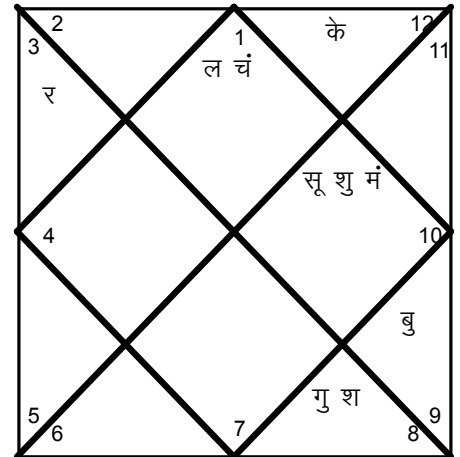
द्रेष्काण सोमनाथ



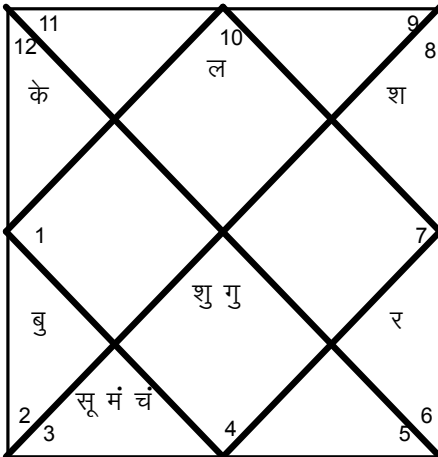
नवांश पारंपरिक



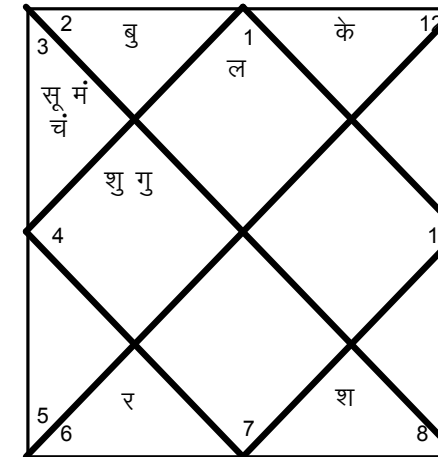
नवांश कृष्ण मिश्र



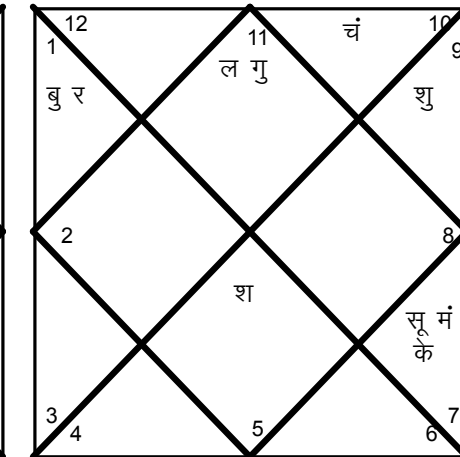
अरुढ लग्न (पारंपरिक)

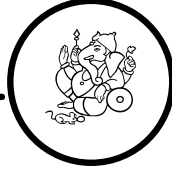


उपपद लग्न



कारकांश लग्न





### जैमिनी स्फुट

स्फुट नाम	स्फुट
बीज स्फुट मुख्य	कर्क 05:04:45
बीज स्फुट उप-1	मकर 13:31:17
बीज स्फुट उप-2	तूळ 12:20:06
क्षेत्र स्फुट मुख्य	तूळ 13:40:08
क्षेत्र स्फुट उप-1	धनू 07:10:23
क्षेत्र स्फुट उप-2	कर्क 02:34:60

### जैमिनी कारक

ग्रह	अष्ट चर	सप्त चर	सप्त स्थिर	सप्त भाव
रवी	ज्ञाति	ज्ञाति	आत्म	
बुध	मातृ	भ्रातृ	अमात्य	आत्म
शुक्र	भ्रातृ	अमात्य	दारा	अमात्य
मंगळ	दारा	दारा	भ्रातृ	भ्रातृ
गुरु	आत्म	आत्म	अपत्य	मातृ दारा
शनी	अपत्य	अपत्य	ज्ञाति	अपत्य ज्ञाति
चंद्र	पितृ	मातृ	मातृ	
राहू	अमात्य			

### जैमिनी दृष्टी

ग्रह	सम्मुख दृष्टि	पार्श्व दृष्टी
मेष	वृश्चिक - शनि	सिंह-कुंभ
वृषभ - बु	तूळ	कर्क-मकर
मिथुन - सू - मं - चं	धनू	कन्या-मीन
कर्क - शु - गु	कुंभ	वृषभ-वृश्चिक
सिंह	मकर	मेष-तूळ
कन्या - ल - र	मीन - केतू	मिथुन-धनू
तूळ	वृषभ - बुध	सिंह-कुंभ
वृश्चिक - श	मेष	कर्क-मकर
धनू	मिथुन - रवी - मंगळ - चंद्र	कन्या-मीन
मकर	सिंह	वृषभ-वृश्चिक
कुंभ	कर्क - शुक्र - गुरु	मेष-तूळ
मीन - के	कन्या - लग्न - राहू	मिथुन-धनू





### विंशोत्तरी दशा (महादशा)

राहू	18 वर्ष	गुरु	16 वर्ष	शनी	19 वर्ष
चे	10/07/2009	चे	10/07/2027	चे	10/07/2043
पर्यंत	10/07/2027	पर्यंत	10/07/2043	पर्यंत	10/07/2062
राहू	10/07/2009	गुरु	10/07/2027	शनी	10/07/2043
गुरु	22/03/2012	शनी	28/08/2029	बुध	13/07/2046
शनी	15/08/2014	बुध	10/03/2032	केतू	23/03/2049
बुध	21/06/2017	केतू	15/06/2034	शुक्र	01/05/2050
केतू	08/01/2020	शुक्र	22/05/2035	रवी	01/07/2053
शुक्र	26/01/2021	रवी	20/01/2038	चंद्र	13/06/2054
रवी	26/01/2024	चंद्र	09/11/2038	मंगळ	12/01/2056
चंद्र	20/12/2024	मंगळ	09/03/2040	राहू	21/02/2057
मंगळ	21/06/2026	राहू	13/02/2041	गुरु	28/12/2059
बुध	17 वर्ष	केतू	7 वर्ष	शुक्र	20 वर्ष
चे	10/07/2062	चे	10/07/2079	चे	10/07/2086
पर्यंत	10/07/2079	पर्यंत	10/07/2086	पर्यंत	10/07/2106
बुध	10/07/2062	केतू	10/07/2079	शुक्र	10/07/2086
केतू	06/12/2064	शुक्र	06/12/2079	रवी	09/11/2089
शुक्र	03/12/2065	रवी	05/02/2081	चंद्र	09/11/2090
रवी	03/10/2068	चंद्र	13/06/2081	मंगळ	09/07/2092
चंद्र	09/08/2069	मंगळ	12/01/2082	राहू	08/09/2093
मंगळ	08/01/2071	राहू	10/06/2082	गुरु	08/09/2096
राहू	06/01/2072	गुरु	28/06/2083	शनी	10/05/2099
गुरु	26/07/2074	शनी	03/06/2084	बुध	10/07/2102
शनी	31/10/2076	बुध	13/07/2085	केतू	10/05/2105
रवी	6 वर्ष	चंद्र	10 वर्ष	मंगळ	7 वर्ष
चे	10/07/2106	चे	10/07/2112	चे	10/07/2122
पर्यंत	10/07/2112	पर्यंत	10/07/2122	पर्यंत	10/07/2129
रवी	10/07/2106	चंद्र	10/07/2112	मंगळ	10/07/2122
चंद्र	28/10/2106	मंगळ	10/05/2113	राहू	06/12/2122
मंगळ	28/04/2107	राहू	10/12/2113	गुरु	24/12/2123
राहू	03/09/2107	गुरु	10/06/2115	शनी	29/11/2124
गुरु	28/07/2108	शनी	10/10/2116	बुध	08/01/2126
शनी	16/05/2109	बुध	11/05/2118	केतू	05/01/2127
बुध	28/04/2110	केतू	10/10/2119	शुक्र	03/06/2127
केतू	05/03/2111	शुक्र	10/05/2120	रवी	03/08/2128
शुक्र	10/07/2111	रवी	09/01/2122	चंद्र	09/12/2128



## विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

<b>राहू</b>		<b>गुरु</b>		<b>शनी</b>	
<b>चे</b>	10/07/2009	<b>चे</b>	22/03/2012	<b>चे</b>	15/08/2014
<b>पर्यंत</b>	22/03/2012	<b>पर्यंत</b>	15/08/2014	<b>पर्यंत</b>	21/06/2017
राहू	10/07/2009	गुरु	22/03/2012	शनी	15/08/2014
गुरु	05/12/2009	शनी	17/07/2012	बुध	27/01/2015
शनी	15/04/2010	बुध	02/12/2012	केतू	23/06/2015
बुध	19/09/2010	केतू	06/04/2013	शुक्र	23/08/2015
केतू	05/02/2011	शुक्र	27/05/2013	रवी	12/02/2016
शुक्र	04/04/2011	रवी	20/10/2013	चंद्र	04/04/2016
रवी	15/09/2011	चंद्र	03/12/2013	मंगळ	30/06/2016
चंद्र	04/11/2011	मंगळ	14/02/2014	राहू	30/08/2016
मंगळ	25/01/2012	राहू	06/04/2014	गुरु	02/02/2017
<b>बुध</b>		<b>केतू</b>		<b>शुक्र</b>	
<b>चे</b>	21/06/2017	<b>चे</b>	08/01/2020	<b>चे</b>	26/01/2021
<b>पर्यंत</b>	08/01/2020	<b>पर्यंत</b>	26/01/2021	<b>पर्यंत</b>	26/01/2024
बुध	21/06/2017	केतू	08/01/2020	शुक्र	26/01/2021
केतू	31/10/2017	शुक्र	31/01/2020	रवी	28/07/2021
शुक्र	25/12/2017	रवी	04/04/2020	चंद्र	21/09/2021
रवी	29/05/2018	चंद्र	23/04/2020	मंगळ	21/12/2021
चंद्र	14/07/2018	मंगळ	25/05/2020	राहू	23/02/2022
मंगळ	30/09/2018	राहू	16/06/2020	गुरु	06/08/2022
राहू	23/11/2018	गुरु	13/08/2020	शनी	31/12/2022
गुरु	12/04/2019	शनी	03/10/2020	बुध	22/06/2023
शनी	14/08/2019	बुध	02/12/2020	केतू	24/11/2023
<b>रवी</b>		<b>चंद्र</b>		<b>मंगळ</b>	
<b>चे</b>	26/01/2024	<b>चे</b>	20/12/2024	<b>चे</b>	21/06/2026
<b>पर्यंत</b>	20/12/2024	<b>पर्यंत</b>	21/06/2026	<b>पर्यंत</b>	09/07/2027
रवी	26/01/2024	चंद्र	20/12/2024	मंगळ	21/06/2026
चंद्र	12/02/2024	मंगळ	04/02/2025	राहू	13/07/2026
मंगळ	10/03/2024	राहू	08/03/2025	गुरु	09/09/2026
राहू	29/03/2024	गुरु	29/05/2025	शनी	30/10/2026
गुरु	18/05/2024	शनी	10/08/2025	बुध	30/12/2026
शनी	01/07/2024	बुध	05/11/2025	केतू	22/02/2027
बुध	22/08/2024	केतू	21/01/2026	शुक्र	16/03/2027
केतू	07/10/2024	शुक्र	22/02/2026	रवी	19/05/2027
शुक्र	26/10/2024	रवी	25/05/2026	चंद्र	07/06/2027



## त्रिभागी दशा

<b>राहू</b>	<b>गुरु</b>	<b>शनि</b>
चे 17/06/2015	चे 02/07/2023	चे 02/03/2034
पर्यंत 02/07/2023	पर्यंत 02/03/2034	पर्यंत 31/10/2046
राहू 19/04/2013	गुरु 03/12/2024	शनि 03/03/2036
गुरु 24/11/2014	शनि 12/08/2026	बुध 18/12/2037
शनि 18/10/2016	बुध 15/02/2028	केतू 14/09/2038
बुध 01/07/2018	केतू 29/09/2028	शुक्र 24/10/2040
केतू 14/03/2019	शुक्र 10/07/2030	रवी 12/06/2041
शुक्र 14/03/2021	रवी 21/01/2031	चंद्र 03/07/2042
रवी 19/10/2021	चंद्र 12/12/2031	मंगळ 30/03/2043
चंद्र 19/10/2022	मंगळ 26/07/2032	राहू 21/02/2045
मंगळ 02/07/2023	राहू 02/03/2034	गुरु 31/10/2046
<b>बुध</b>	<b>केतू</b>	<b>शुक्र</b>
चे 31/10/2046	चे 01/03/2058	चे 30/10/2062
पर्यंत 01/03/2058	पर्यंत 30/10/2062	पर्यंत 29/02/2076
बुध 09/06/2048	केतू 09/06/2058	शुक्र 18/01/2065
केतू 05/02/2049	शुक्र 20/03/2059	रवी 19/09/2065
शुक्र 27/12/2050	रवी 13/06/2059	चंद्र 30/10/2066
रवी 22/07/2051	चंद्र 02/11/2059	मंगळ 10/08/2067
चंद्र 01/07/2052	मंगळ 09/02/2060	राहू 10/08/2069
मंगळ 27/02/2053	राहू 22/10/2060	गुरु 21/05/2071
राहू 10/11/2054	गुरु 06/06/2061	शनि 30/06/2073
गुरु 15/05/2056	शनि 03/03/2062	बुध 21/05/2075
शनि 01/03/2058	बुध 30/10/2062	केतू 29/02/2076
<b>रवी</b>	<b>चंद्र</b>	<b>मंगळ</b>
चे 29/02/2076	चे 29/02/2080	चे 30/10/2086
पर्यंत 29/02/2080	पर्यंत 30/10/2086	पर्यंत 30/06/2091
रवी 12/05/2076	चंद्र 18/09/2080	मंगळ 07/02/2087
चंद्र 11/09/2076	मंगळ 07/02/2081	राहू 21/10/2087
मंगळ 05/12/2076	राहू 07/02/2082	गुरु 04/06/2088
राहू 12/07/2077	गुरु 29/12/2082	शनि 01/03/2089
गुरु 23/01/2078	शनि 19/01/2084	बुध 28/10/2089
शनि 11/09/2078	बुध 29/12/2084	केतू 04/02/2090
बुध 06/04/2079	केतू 20/05/2085	शुक्र 15/11/2090
केतू 30/06/2079	शुक्र 30/06/2086	रवी 08/02/2091
शुक्र 29/02/2080	रवी 30/10/2086	चंद्र 30/06/2091



## योगिनी दशा

दशा	पती	वय	पर्यंत
मंगळा	चंद्र	1 वर्ष	17/02/2016
पिंगला	रवी	2 वर्ष	16/02/2018
धान्य	गुरु	3 वर्ष	16/02/2021
भ्रामारी	मंगळ	4 वर्ष	16/02/2025
भद्रिका	बुध	5 वर्ष	16/02/2030
उल्का	शनि	6 वर्ष	17/02/2036
सिद्धा	शुक्र	7 वर्ष	17/02/2043
संकटा	राहू	8 वर्ष	17/02/2051
मंगळा	चंद्र	1 वर्ष	17/02/2052
पिंगला	रवी	2 वर्ष	16/02/2054
धान्य	गुरु	3 वर्ष	16/02/2057
भ्रामारी	मंगळ	4 वर्ष	16/02/2061
भद्रिका	बुध	5 वर्ष	16/02/2066
उल्का	शनि	6 वर्ष	17/02/2072
सिद्धा	शुक्र	7 वर्ष	17/02/2079
संकटा	राहू	8 वर्ष	17/02/2087

## शटत्रिंश दशा

पती	वय	पर्यंत
मंगळ	4 वर्ष	20/02/2018
बुध	5 वर्ष	20/02/2023
शनि	6 वर्ष	20/02/2029
शुक्र	7 वर्ष	21/02/2036
राहू	8 वर्ष	21/02/2044
चंद्र	1 वर्ष	20/02/2045
रवी	2 वर्ष	20/02/2047
गुरु	3 वर्ष	20/02/2050
मंगळ	4 वर्ष	20/02/2054
बुध	5 वर्ष	20/02/2059
शनि	6 वर्ष	20/02/2065
शुक्र	7 वर्ष	21/02/2072
राहू	8 वर्ष	21/02/2080
चंद्र	1 वर्ष	20/02/2081
रवी	2 वर्ष	20/02/2083
गुरु	3 वर्ष	20/02/2086

दशास्वामी ग्रहांची स्थिती. ग्रह दशा वय दशा चक्राची वय योगिनी आणि शट त्रिंश दशेत समान असते. दोन्ही दशांत फक्त सुरुवात वेगळ्या ग्रहापासून होते. उर्वरीत सर्व गोष्टी समान असतात.

पाराशरचा उपदेश आहे की जर जन्म दिवसा सूर्य होरा किंवा रात्री चंद्र होरा यांत असेल तर शट त्रिंश दशेचा उपयोग केला पाहिजे.

ह्या अनुसार जर जन्म दिवस चंद्र होरा किंवा रात्रीत सूर्य होरा मध्ये झालातर योगिनी दशाचा वापर करावा.



## ग्रहयोग फळ

### दमारुक योग

तुमच्या आयुष्याच्या तीन भागांपैकी पहिला भाग तुमच्यासाठी चांगला असेल. आयुष्याच्या मधल्या कळात (वयाच्या ४४ ते ४८ वर्षांपर्यंत) तुमच्या नियंत्रणाखाली नसणाऱ्या गोष्टींमुळे तुमच्या प्रगतीत अदथळे येतील.

तुमच्या कुंडलीत जर इतर काही शुभयोग अस्तील, तर या योगाचे अशुभ परिणाम काही प्रमाणात कमी होऊ शकतात.

### खल योग

ही ग्रहस्थिती काहीशी विचित्र आहे. हयामुळे तुम्हाला दोन अत्यंत टोकाच्या परिस्थितींना तोंड द्यावं लागेल. तुमची आर्थिक परिस्थिती झपाट्याने सुधरेल आणि कधीकधी तुम्हाला अडचणीना सामोरं जावं लागेल. काळाबरोबर तुमचा मानसिक .ष्टिकोनही बदलत जाईल.

### विद्या योग

शैक्षणिक क्षेत्रात उच्च प्रगती करण्याकरिता हा अतिशय चांगला योग आहे. तुमची बुद्धिमत्ता अतिशय तल्लख असेल आणि तीव्र स्मरणशक्तीमुळे तुमची आकलनशक्तीही चांगली असेल. कुठचेही प्रश्न तुम्ही सहज सोडवाल आणि ते सोडवायच्या चांगल्या पद्धतीही शोधून काढाल.

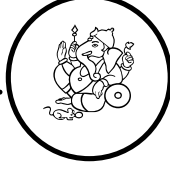
### चन्द्रमंगल योग

ऐहिक संपत्तीसाठी हा योग चांगला आहे, पण इतर .ष्टींनी याची विपरित फळं मिळतात. तुम्ही हुशार आणि धडाडीचे असाल, पण तुमच्या पटकन रागवण्याच्या सवयी मुळे इतरांचे तुमच्याविषयी वाईट मत होईल आणि तुमचे लोकांबरोबरचे संबंधही बिघडतील. तुम्ही कधीही स्वस्थ बसणार नाही, आणि कुठलंही उदिष्ट साध्य करताना सोप्या आणि पटकन यश मिळवून देणाऱ्या मार्गाच्या शोधात असाल. तुम्हाला कामाचा उत्साह फारसा नसेल आणि लायकी नसलेल्या माणसांबरोबर संबंध होईल.

### उभय चरी योग

ही चांगली ग्रहस्थिती आहे. तुम्ही स्वतःचं आयुष्य स्वतःच घडवाल आणि तुमची प्रगती तुमच्या स्वतःच्याच कर्तृत्वाने होईल. आयुष्यात उच्च स्थान मिळवाल आणि तुमच्या आजूबाजूच्या लोकांमध्ये तुमच्याविषयी आदर असेल.

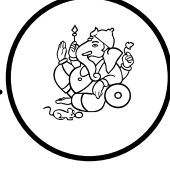
### बन्धु पूज्य योग



हा चांगला योग आहे. तुमच्या यशस्वी कामगिन्यामुळे तुम्हाला तुमच्या मित्रांचा आणि नातेवाईकांचा आदर मिळेल.

### सदा सन्चार योग

या योगाची मिश्र फळं मिळतात. तुम्ही असा व्यवसाय स्वीकारता, ज्यामुळे तुम्हाला सतत प्रवास करावा लागतो .



## ग्रहदृष्टि चे फळ

### रवी सेमी स्ववेअर शुक्र

अधिक खर्चामुळे किंवा पैशाच्या कमतरतेमुळे बिकट अशा परिस्थितीला तुम्हाला तोंड द्यावे लागेल. तुमच्या मालमत्तेच्या सुरक्षतेसाठी सावधगिरी बाळगण्याची गरज आहे. कोणत्याही प्रकारे नुकसान होण्याची शक्यता आहे. निराशावादाकडे तुम्ही वळाल, म्हणून स्वतःवर ताबा ठेवण्याची गरज आहे. भांडण आणि न पटणाऱ्या गोष्टींतही स्पष्ट राहण्याची गरज आहे.

### रवी संयोग मंगळ

उत्साहीपणा स्वतःत आणणे, प्रचंड ऊर्जा अनुभवणे आणि साहसी कृत्य करणे, इत्यादीं गोष्टीकडे तुमचा कल असेल पण कधीकधी आक्रमकतेच्या सीमेजवळ तुम्ही जाल ही उच्चपातळीवरची तुमची तळमळ तुमच्या आरोग्यासाठी नुकसानही पोहचू शकेल त्यासाठी तुम्हाला त्याविरुद्ध लढणाऱ्या सुरक्षेचीही गरज भासेलं नवीन प्रकल्प किंवा साहस यामुळे तुम्हाला यश मिळू शकेल. पण तरीही लोकांशी देवाण-घेवाण आणि वाहन चालवताना सावधानतेची गरज भासेल.

### बुध सेमी सेक्सटॉईल चंद्र

तुम्ही अशा क्षेत्रात श्रेष्ठ आहात जिथे तुमची संभाषणक्षमता व्यक्त करण्याची गरज लागते. तुम्ही परोपकारी स्वभावाचे आहात. दुसऱ्याविषयीच्या भावना व्यक्त केल्यास तुम्ही अपेक्षित प्रतिसाद मिळवू शकाल.

### बुध ट्राइन राहू

राहू किंवा केतूशी बुध सेक्सटॉईल किंवा ट्राइन स्थितीमध्ये असल्याने मोहकता आणि चुंबकीय अशी शक्ती तुमच्या व्यक्तित्वात असेल, ज्यामुळे इतरांना स्वतःकडे आकर्षित कराल.

### बुध सेमी स्ववेअर इंद्र

तुमच्यात विविधता आणण्याबद्दल तीव्र इच्छा आहे. विशेषतः तुमच्या कामात. युरेनेसशी बुधाची सेमी चौकोनातील स्थिती तुम्हाला अशी तेजस्वी बुद्धी बहाल करते ज्यामुळे नवनवीन कल्पनांना तुम्ही जन्म द्याल. थोडक्यात पाहिले तर तुमच्यात बुद्धिमानाची गुणवत्ता आहे. आचार विचारात एकवाक्यता किंवा स्थिरता आणली तर उज्वल कीर्ती मिळवू शकाल.

### शुक्र सेमी स्ववेअर मंगळ

शुक्र आणि मंगळाची स्थिती ही सेमी चौकोनामध्ये असल्याने तुम्हाला एक बोलकी



व्यक्ती बनवते, जी अगदी सहजपणे मैत्री करण्याची क्षमता ठेवते. यांच्यापैकी काही व्यक्तींकडे अशी प्रवृत्ती असेल की त्या आयुष्यातील भौतिक सुख मनमुराद उपभोगतील.

### गुरू सेमी स्ववेअर चंद्र

चंद्र आणि गुरूचे सेमी स्ववेअर स्वरूप हे तुम्हाला करारी आणि दृढनिश्चयी असे बनवते तुम्ही समाजप्रिय आणि थोर मनाचे आहात. परोपकाराची प्रवृत्ती ही मोठ्या प्रमाणावर फायदेशीर ठरेल.

### गुरू सेमी स्ववेअर राहू

चैतन्यमय व्यक्ती आहात. नेहमी संधीच्या शोधात असता चांगले नशीब स्वतःहून तुमच्याकडे येणार आहे. तुम्ही नवनवीन कल्पना विकसित कराल आणि तिच्यावर प्रत्यक्षात अंमल करण्याचा प्रयत्न कराल. स्वतः मध्ये सुधारणा कराल, दुसऱ्याचे निरीक्षण करुनही तुम्ही खूप गोष्टी शिकाल, विशेषतः लाहान मुलांकडून.

### गुरू ट्राइन इंद्र

पुरेशा नवीन कल्पना स्वीकारणारे असे तुमचे मोठे मन आहे. अगदी अनपेक्षित प्रवास घडून नवनवीन मित्र आणि नवनवीन अनुभवही तुम्हाला मिळतील. धार्मिक कार्यात तुम्ही अगदी सक्रियेतेने सहभाग घ्याल. कोणत्याही दिशेने तुम्हाला अनपेक्षितपणे आर्थिक लाभ होऊ शकेल.

### शनी सेमी स्ववेअर रुद्र

प्लुटोशी शनीचे सेमी स्ववेअर स्वरूप यानुसार तुमची आर्थिक परिस्थिती अत्यंत खालावण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे खर्च कमी करा. काही वेळा तुमच्या महत्वाकांक्षा पूर्ण होणार नाही, असे तुम्हाला वाटेले. त्यासाठी वास्तववादी विचार करा आणि योजना आखून महत्वाकांक्षा पूर्ण करण्याचा मनापासून प्रयत्न करा.

### चंद्र स्ववेअर राहू

भावनिकदृष्ट्या अस्वस्थ वाटण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे तुमच्या आरोग्यावरही परिणाम होऊ शकतो. मनात दडपल्या गेलेल्या भावनेला एक मोकळी वाट करुन दिल्यास या अडचणीतून बाहेर येऊ शकाल.

### केतू सेमी सेक्सटॉईल वरुण

संगीत आणि कला यात तुम्हाला अधिक रस आहे. केतू आणि केतूशी नेपच्युनचे सेमी सेक्सटॉईल आणि ट्राइन स्वरूपामुळे तुम्हाला एक जवाबदार व्यक्ती बनवते. मानसशास्त्रीय आणि तत्वज्ञानात्मक अभ्यासात तुम्ही रस दाखवाल. तुमच्यात प्रबळ इच्छाशक्ती असून प्रभाव पाडणारी अशी सहनशीलताही आहे.







## भविष्यवाणी

### खास गुण

तुम्ही कुशाग्र बुद्धीचे, मानवतावादी म्हणजे माणूस म्हणून जगण्याचा प्रत्येकाला अधिकार आहे या मताचे आणि मनाने अगदी मोठे आहात. स्वःबळ आणि कमालीचा आत्मविश्वास या गोष्टींच्या जोरावर तुम्ही उच्च पदवी मिळवाल. जीवनाची पातळी उंचावण्यासाठी तुम्ही एकटेही समर्थवान आहात, मेरीट गाठण्यासाठीही तुम्ही सक्षम आहात. तुमच्याकडे उत्तम वक्तृत्व म्हणजे चांगले बोलण्याची क्षमता आहे आणि कायदे विषयक अभ्यासही खूप आहे. साहित्य आणि पत्रकारिता याकडेही तुमचा विशेष कल आहे.

तुम्ही वादविवादप्रिय स्वभावाचे असून यशासाठी झगडा करायलाही तुम्ही सज्ज असता. चर्चा करायला आणि प्रवास करायला तुम्हाला फार आवडते. तुम्हाला महत्वाच्या सुविधा मिळतील. वेगवेगळ्या गोष्टींत तुम्हाला आवड आहे. येत्या काही वर्षात तुमची ही आवड अशा भलत्याच ठिकाणी कामी येईल, ज्याची तुम्हाला काहीच माहिती नसेल. एखाद्या व्यक्तीशी तुमच्या असमंजसपणामुळे गैरसमज निर्माण होऊन भांडण होण्याची शक्यता आहे. विवाहित व्यक्तींकडून तुमच्यासाठी सद्भाव निर्माण होऊ शकतो. आजारपण किंवा ताप येण्याचीही शक्यता आहे.

तुम्हाला अलौकिक बुद्धिमत्ता आणि चांगली प्रसिद्धी लाभणार आहे. शास्त्र आणि साहित्य यांच्या अभ्यासात यशही मिळणार आहे. मानवतावादी स्वभावाचा हेतुपुरस्सर असे निरीक्षण करून साहित्यिक अभ्यासात यश संपादन करू शकता. शिवाय याच्याशी मिळत्या जुळत्या अशा अनेक बाबी तुम्ही न थांबता अधिक काळजी घेऊन मिळवू शकाल.

### मानसिक गुण

तुम्ही चांगले वाचता आणि शिकताही. तुम्ही अष्टपैलू व्यक्तिमत्वाचे आहात, की ज्यांना सामान्यतः सर्वच गोष्टींचे ज्ञान असते शिवाय त्यात ते निपुणही असतात आणि तुम्हाला हस्तकलाही खूप छान जमते. तुम्ही अत्यंत हुशार असून कलेची आवड असणारे असेच आहात, तुम्ही चौकसही आहात, चारी बाजूला तुमचं लक्ष असतं, नवनवीन संशोधन करण्याकडेही तुमचा कल दिसतो. लिखाणावर तुमचे प्राविण्य तर आहेच शिवाय बहुतेक भाषेवर तुमचे विशेष प्रभुत्व आहे.

दुसऱ्यांना मदत करण्याचा अर्थात परोपकाराचा तुमचा स्वभाव आहे.

### शारीरिक रचना

राशिफळाप्रमाणे तुम्ही उंच, सडपातळ उत्कृष्ट आवड-निवड असलेली व्यक्ती,



लांबसडक बोटे, धारदार सरळ नाक, रुंद कपाळ आणि बोलके डोळे या शरीर रचनेने युक्त आहात. तुम्ही कामात गुंतलेले असावेत आणि बेचैनीही काही प्रमाणात अनुभववाल. तुम्हाला उत्तम वक्तृत्वाची देणगी लाभेल, लांबपल्ल्याच्या प्रवासाचा योग तुमच्या पदरात पडणार आसण्याची शक्यता आहे.

## आरोग्य

तुमच्या राशिचा तुमच्या खांदे, दंड, हात, लघुश्वासनलिका, बोटे, मज्जातंतू प्रक्रिया इत्यादीवर चांगला ताबा आहे.

अस्थमा, दमा, छातीचे रोग, सर्दी, फ्लू, मणक्याची सुज इत्यादी विकार निर्माण होऊ शकतात. ही समस्या निर्माण होण्यासाठी तुमच्यात जीवनात शरीरातील महत्वाचे भाग, खांदा, दंड, हात, बोटे, श्वासनलिका बरगडी, कंठग्रंथी इत्यादी सहाय्यभूत ठरणारे आहेत. तणाव (व्यवस्थापकीय नियोजन या कामात असल्यास) रक्तदाबाशी निगडीत समस्या निर्माण करण्याचे काम करतो शिवाय कामासाठी होणाऱ्या अतिप्रवासामुळे संसर्ग किंवा बाधा होते तसेच अनियमित जेवणाची वाईट सवयही जडते. तुम्हाला दीर्घ विश्रांतीची आणि शांत झोपेची नितांत गरज आहे. प्रसन्न मनाने घरचे जेवण खाणे गरजेचे आहे. योगा तुमच्यासाठी खूप चांगला ठरेल तसेच मोठ्या प्रमाणात गाजर, लसूण, फुल गोबी आणि डाळिंब याचे सेवन करावे. तुमच्या पत्रिकेत लग्नपतीवर प्लुटोचा प्रभाव आहे, ज्याच्याने तुम्हाला असहय अशा पर्यावरणामुळे उद्भवणाऱ्या रोगाचा अधिक त्रास होऊ शकतो. तसेच धुम्रपान, धूर, उत्सर्जित किरणे इत्यादीचाही तुम्हाला त्रास होण्याची शक्यता आहे.

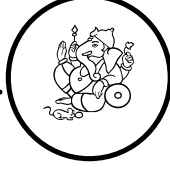
तुमच्या पत्रिकेप्रमाणे राहुचा चंद्रावर चांगलाच प्रभाव आहे. सर्दी आणि बद्धकोष्ठता इत्यादीने तुम्ही हैराण असाल.

केतूचा चंद्रावर प्रभाव आहे, शारीरिक अंतर्गळ (हार्निया) कदाचित होऊ शकतो. आणि सूज वाढवणाऱ्या रोगामुळे तुम्हाला त्रास होऊ शकतो.

तुमच्या पत्रिकेत सूर्यावर मंगळ ग्रहाचा प्रभाव आहे. ज्यामुळे तुम्ही ताप येण्याची अवस्था, जळजळण्याची स्थिती याने त्रस्त होण्याची शिवाय रक्तस्त्राव होऊन रक्त कमी होण्याची ही शक्यता आहे. तुमच्या पत्रिकेनुसार मकर ह्या राशीवर मंगळ आणि शनीचा प्रभाव असल्यामुळे तुम्हाला गुडघ्यांचा त्रास उद्भवण्याची शक्यता आहे.

## शिक्षा व जीविका

ग्रहविषयक अनुकूलता बुद्धिचातुर्य आणि उच्च दर्जाच्या शिक्षणासाठी तुम्हाला आशीर्वाद ठरली आहे. विश्वविद्यालयाच्या उच्च पदवीने तुम्ही भूषणार आहात. विभिन्न क्षेत्रातील तुमची रुची वाढणार आहे आणि विविध विषयातील माहितीपर अभ्यासाच्या कक्षा रुंदावणार आहेत. विशेष प्राविण्य मिळवून देणाऱ्या छंदाकडेही तुम्ही तुमचे मन



वळवाल.

सामाजिक वर्तुळामध्ये तुम्ही तुमच्या गुणवत्तेमुळे आदरणीय बनाल, आपल्या महत्त्वाच्या विषयात तुमचा सल्ला बहुमोल मानू लागतील.

काही ग्रहांची अनुकूलता तुम्हाला "विद्या योग" यासाठी एकदम शुभ ठरणार आहे. तुम्ही उच्च शिक्षण घ्याल शिवाय तात्विक अभ्यासात तुम्ही सफलही व्हाल. ज्यांच्याकडून तुम्हाला खूप काही शिकायला मिळाले आहे त्यांच्या बदल तुमच्या मनात आदरही आहे, अशा लोकांसाठी जीवनातल्या गंभीर विषयावर सखोल अभ्यासही कराल.

तुमच्या कुंडलीत अष्टक वर्गामध्ये मरक्युरीचा प्रभाव लाभदायक ठरणार आहे. तुम्हाला एक चांगली शैक्षणिक प्राप्ती करून देणार आहे, जोडीला तुमच्या निवडीच्या विविध विषयांतही तुम्हाला प्राविण्याची पदवी मिळण्यास फायदेशीर ठरेल.

तुमच्या पत्रिकेत ग्रहमानाच्या स्थितीनुसार तुमच्याकडे व्यापारी बनण्यासाठी लागणाऱ्या योग्यता उपजतच आहे. व्यापार आणि वाणिज्य या संबंधीचे डावपेच चटकन शिकाल. उत्पादनातील कार्यक्षमता आणि व्यापार या ठिकाणी तुम्ही भाग्य बनवू शकाल. व्यापारात नेहमी घडते ते म्हणजेच मंदी येणे किंवा व्यापार थंडावणे, अशासारख्या गोष्टी घडतील पण यावेळी तुमचा स्वतः वर ताबा असणे गरजेचे आहे. अशावेळी न खचता पुढे जाण्याचा प्रयत्न केला तर नक्कीच एक कार्यक्षम व्यापार करू शकाल.

### संपत्ति व वारसदार

कुटुंब संपत्तीच्या मानण्यानुसार संपत्तीचा मालक होण्यासाठी ही चांगली स्थिती नाही. पण मित्रांकडून आणि समाजाकडून तुम्हाला लाभ आणि आनंद मिळू शकेल. महिलांचे सहकार्य, फलदायी असे वैवाहिक जीवन आणि आयुष्यभर आनंद देणारा साथीदार इत्यादी गोष्टी तुम्हाला मिळू शकतील.

कौटुंबिक वातावरणानुसार, सामान्यतः वातावरण हे शांतीचे असेल पण कधीतरी येणाऱ्या प्रचंड वादळासाठी तुम्हाला जवाबदार ठरवेल जे तुमच्या कुटुंबातील सदस्यांत सहन होण्यासारखे ठरू शकेल. तुम्ही ध्येयशीलतेची आणि काळजी घेणारी व्यक्ती म्हणून एक प्रत्यक्ष मूर्ती आहात. तुम्ही नेहमी स्पष्ट असून जीवनाची जहाज यशस्वीरीत्या किनाऱ्यावर नेऊ शकाल.

तुमच्या पत्रिकेत धनाचा स्वामी हा अनुकूल अशा दशमस्थानी जाऊन बसला आहे. ही दशा तुमच्या इच्छापूर्तीसाठी खूपच लाभदायक ठरेल. दृढनिश्चय आणि मनाची शक्ती यामुळे तुम्ही इतरांपेक्षा वेगळे ठरू शकाल. पण तुम्हाला तुमच्या क्षमता आणि मर्यादा यांची जाणीव असायला पाहिजे आणि तोंडापेक्षा घास मोठा नसावा. अन्यथा गळून पडण्याची शक्यता येणार नाही. तुम्हाला एक मोठे पद मिळू शकेल शिवाय त्या पदाला



अनुसरून निर्णयक्षमताही अंगिकारु शकाल. तुमच्या आयुष्यात तुम्ही मोठी प्रगती प्राप्त करू शकाल.

तुमच्या पत्रिकेत अनुवंशिकतेचा स्वामी हा दशम स्थानी बसला आहे, ही स्थिती तुमच्यासाठी चांगली नाही, कारण निंदा किंवा बदनामीमुळे अत्यंत त्रास होऊन अडचणही निर्माण करू शकते. पण ही स्थिती सरकारी नोकरीत एक स्थान देण्यास मदत करू शकेल किंवा संरक्षण खात्याबरोबरचा तुमचा व्यवसाय टिकवून ठेवण्यासाठी तुम्हाला त्यांच्याबरोबरचे हित संबंध चांगले ठेवावे लागतील. तुम्ही तुमचे भाग्यही त्यांच्या बरोबरीने बनवू शकता पण तुम्हाला आयुष्यातील मोठ्या चढउतारालाही सामोरे जावे लागेल.

### विवाह व वैवाहिक जीवन

तुमच्या पत्रिकेनुसार योग्य वयात तुमचा विवाह होण्याची शक्यता आहे. तुमच्या पत्रिकेत लग्नपती आणि सातवा स्वामी पंचकोनात आहेत. जे तुमच्या नात्याला टिकारूपणा आणि चांगुलपणा मिळून देईल. परस्परांविषयी विश्वास आणि काळजी घेणारे असेच तुम्ही दोघेही असाल. परस्परांविषयीचे प्रेम आणि आपुलकी सदैव आनंद आणि चैतन्यमय ठेवण्यास मदत करील. एक आनंदी कौटुंबिक जीवन तुम्हाला लाभेल.

### प्रवास व भ्रमण

तुमच्या पत्रिकेतील ग्रह हे अस्थिर आणि समान चिन्हांच्या स्थानी आहेत. जन्मजातच तुम्ही भ्रमण करणारे असून तुमच्या आयुष्यात अनेक बदल घडण्याची शक्यता आहे. व्यवसायाच्या किंवा नोकरीच्या निमित्ताने प्रवास आणि दौरे यामुळे आनंद मिळण्याचा आणि नफा होण्याची शक्यता आहे. तुमच्या पत्रिकेतील बहुतेक ग्रह हे कोनात्मक घरात आणि अस्थिर चिन्हांत आहेत. व्यवसायाच्या निमित्ताने तुम्हाला वारंवार प्रवास करावा लागेल. शिवाय तुम्ही तुमच्या आवडत्या ठिकाणी आनंदमयी सहलीलाही जाऊ शकाल.

### शुभ रत्न

शुभरत्नांपैकी ग्रीन इमरॅल्ड (पन्ना) तुमच्यासाठी लाभदायक ठरू शकेल.

५ रतींचा पन्ना सोन्याच्या अंगठीत मढवून बुधवारच्या दिवशी उजव्या हाताच्या करंगळीत घातल्यास ते लाभदायक होईल. त्याऐवजी कमी दर्जाचा पन्ना म्हणून जेड किंवा जबरजाद जे तुम्ही चांदीच्या अंगठीत मढवून घेऊ शकाल.

रत्नधारण करताना खालील मंत्रोच्चारण केल्यास अधिक लाभदायक ठरेल.

प्रियमृगुकालिका श्यमम् रूपेनप्रतिमम् बुद्धम सौम्यम्, सौम्य गुणोपेतम् तम् बुद्धम्



प्रणामयहम्”

वर दिलेल्या रत्नांचे वजन हे प्रौढ पुरुषासाठी निर्धारित करून दिले आहे. स्त्रियांसाठी त्याचे परिमाण  $3/8$  ते  $7/2$  एवढे कमी होऊ शकते तर मुलांसाठी तेच वजन  $9/2$  ते  $9/3$  एवढे होऊ शकेल.



## ग्रहांच्या स्थितीचे फळ

### लग्न फळ

तुमचा लग्नपती कन्या आहे. लग्नपतीचा स्वामी बुध आहे जो तुमच्या पत्रिकेत अत्यंत लाभकारक ग्रहाच्या स्वरूपात आहे. कन्या लग्नपतीत जन्माला आलेल्याच्या सौभाग्यामुळे सुशिक्षित आणि चांगली व्यक्ती असाल. अनेक सद्गुण आणि विविध गोष्टींतील कौशल्य यांचे तुम्हाला वरदान असेल. बुद्धिमान असाल, सूक्ष्म मनाची शक्ती असेल, चांगली स्मरण शक्ती, अनेक भाषांवर उत्तम प्रभुत्व यागोष्टी तुमच्याकडे असतील. सतत प्रयत्नशील असून मेहनती प्रवृत्तीचे असाल, या गोष्टी संतुलन न ढासळता ध्येयाकडे मार्गक्रमण करण्यात मदत करेल.

खोलात जाण्याची वृत्ती असेल शिवाय योग्य रीतीने लोकांना आणि गोष्टींना बघण्याचा एक व्यावहारिक .ष्टिकोन असेल. ज्ञान आणि माहिती गोळा करण्याची उत्कट इच्छा असेल. कठीण परिश्रम आणि दूरदर्शीपणा तुमच्या यशाचे गमक आहे. प्रगतीशील कल्पना आणि तीव्र इच्छाशक्ती असेल. वास्तववादी शांतीप्रिय, खंबीर आणि करारी असाल. प्रसन्न आणि आनंदी असाल. सहकार्य करण्याचा स्वभाव असेल लोकांचा सहवास आवडेल. विविध माध्यमातून लाभ मिळवू शकाल.

## राशीमध्ये असलेल्या ग्रहांच्या स्थितीचे फळ

### रवी

तुमच्या पत्रिकेत सूर्य हा मिथून राशिचिन्हात स्थित आहे. अत्यंत बुद्धिमान आणि सुशिक्षित असाल. विविध विषयांत नैपुण्य मिळवाल शिवाय शिल्प कलेतील विशेष कौशल्यामुळे नावाजले जाल. वक्तृत्वाचीही तुम्हाला देणगी लाभली आहे. मनमोकळ्या, प्रेमळ आणि सभ्य स्वभावामुळे ज्या व्यक्तींशी तुमचा संपर्क येईल त्यांच्या मनावर दीर्घकाळ आर्थिक.ष्ट्या तुम्ही अत्यंत श्रीमंत असाल शिवाय समाजात एक आदरणीय स्थान उपभोगाल. नातेवाईक आणि मित्र यांच्या बरोबर परिपूर्ण आयुष्य जगाल.

### बुध

तुमच्या पत्रिकेत बुध हा वृषभ राशिचिन्हात स्थित आहे. जरी ही स्थिती तुमच्या आईसाठी योग्य नसली तरी तुम्हाला मात्र प्रतिष्ठा आणि प्रसिद्धी बहाल करते. संपत्ती मिळवण्यात आणि आयुष्याचे सर्व सुखसोयी उपभोगण्यात तुम्ही सक्षम आहात. तरीही आयुष्याच्या काही काळासाठी मुले आणि जोडीदार यांच्यामुळे कदाचित चिंतातुर बनाल. तुमच्या स्वतःच्या आरोग्यावरही काही दुष्परिणाम घडू शकतील कदाचित ते अनियमित खाण्याच्या सवयीमुळे असेल किंवा चुकीची औषधे घेतल्यामुळेही असू शकेल. त्यासाठी सावधगिरी बाळगावी. मित्रही तुमचे नुकसान करण्याचा प्रयत्न करतील.



### शुक्र

तुमच्या पत्रिकेत शुक्र कर्क राशीचिन्हात आहे तो तुम्हाला कयमस्वरूपी चंचल आणि अस्थिर बनवेल, कदाचित तुम्ही तेव्हा गंभीर भासाल, जेव्हा खरोखरीच तुम्ही गंभीर नसाल. जरी तुम्ही अस्थिर आणि चंचल असला तरी स्वतःतील चांगली बाजू इतरांसमोर मांडण्यात कौशल्यवान असाल. जर शुक्रावर इतर अपायकारक ग्रहाचा प्रभाव असेल तर विरुद्ध लिंगी व्यक्तीच्या सहवासाठी तुमचे मन आसुसलेले असेल. जर शुक्र गुरु किंवा चंद्र यांच्याशी संयोगात असेल किंवा गुरु किंवा चंद्र यांच्या प्रभावाखाली असेल तर तुम्ही श्रीमंत बनाल.

### मंगळ

तुमच्या पत्रिकेत मंगळ हा मिथून राशिचिन्हात स्थित आहे. गुरु किंवा शुक्र जर मीन किंवा बुध कन्या राशीत नसतील तर ही अनुकूल स्थिती नाही. कदाचित वादविवाद घालण्याचा आणि भांडखोर स्वभाव तुमचा असावा तसेच कदाचित कपटी प्रवृत्तीही आत्मसत कराल. पित्ताचा किंवा श्रवणासंबंधीचा विकार होण्याची शक्यता आहे. नातेवाईकांना अपाय पोहचवण्याकडे वळाल. उधळपट्टीचा स्वभाव अंगिकराल. जरी तुमच्याकडे उत्तम शिक्षण असले तरी त्या शिक्षणाचा परिणामकारक वापर करण्यात असमर्थ ठराल. काही अनुकूल प्रभाव जर तुमच्या पत्रिकेत नसला तर तुमच्या जन्मटिकाणी आनंदी राहू शकणार नाही. घर सोडाल आणि कदाचित दूरच्या टिकाणी राहून उपजीविका चालवाल.

### गुरु

तुमच्या पत्रिकेत गुरु हा कर्क राशिचिन्हात स्थित आहे. लाभकारक ग्रह गुरु इथे, उच्च पदाला पोहचलेला बनतो. हा तुम्हाला आत्मविश्वासू स्वभाव देतो पण जरी तुम्ही अत्यंत धाडसी नसला तरी स्वतःला दूरदर्शी विचारांत कामी लावण्यात तसेच व्यक्त करण्यात माग पुरेसे चतुरही असाल. वरिष्ठांशी मैत्रीचे नाते प्रस्थापित होईल, तसेच त्यांच्याकडून अतिशय लाभ होईल. मोठ्या प्रामाणावर वैभव मिळेल. समाजात प्रतिष्ठित व्यक्ती बनाल तसेच प्रसिद्धी दूरवर पसरेल.

### शनी

तुमच्या पत्रिकेत शनी वृश्चिक राशिचिन्हात आहे. लाभकारक ग्रहांशी संयोगात किंवा त्यांच्या प्रभावात जर नसला तर, हा तुम्हाला काहिसा साहसी आणि भांडखोर स्वभाव देतो. जर अपायकारक ग्रहांशी संयोगात किंवा त्यांच्या प्रभावात असला तर कदाचित तुम्ही हिंसक बनाल शिवाय ज्यामुळे तुमचे नुकसानही होईल. काही धोकादायक कृत्याही कराल. जर केतू संयोगात असेल तर तुमची आर्थिक परिस्थिती कदाचित खूपच खालावेल. जर मंगळ अप्रभळ किंवा शिघ्रकोपी असेल आणि १८ वा स्वामीही जर येथे असेल तर तुम्ही.





### चंद्र

तुमच्या पत्रिकेत चंद्र मिथून राशीत स्थित आहे. म्हणून तुमची जन्मरास (किंवा चंद्र लग्न) मिथून आहे. मर्दानी, आनंदी, आध्यात्मिक नसलेला मनुष्य आणि सामान्य राशिचिन्ह तुमच्या मनावर आणि इतर वैशिष्ट्यांवर नियंत्रण ठेवेल. आणि काही प्रमाणात तुमचा राशिस्वामी बुधही ठेवेल.

राशीतील चंद्र अत्यंत लाभकारक नसेल. कदाचित तुमचा स्वभाव दुतोंडी असेल शिवाय कोणत्याही कामात एकाग्र नसाल. हे दुर्गुण समृद्धीवर परिणाम करू शकतील. तरीही जर चंद्र दुसऱ्या कुठल्या ग्रहाबरोबर योगात गुंतलेला असेल तर मात्र परिस्थितीत सुधारणा होऊ शकेल. सौभाग्यवान आणि आनंदी व्हाल. बुद्धिमान, सुशिक्षित आणि धार्मिक बनेल. यशस्वी व्यक्तींच्या सहवासात आनंद उपभोगाल. श्रीमंती प्राप्त कराल शिवाय जीवनाच्या विविधतेचा आनंद लुटाल. अतिशय प्रवास घडेल. कदाचित दूरच्या ठिकाणी दीर्घकाळासाठी स्थायिक व्हाल.

### राहू

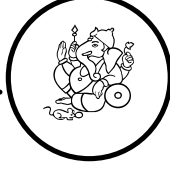
तुमच्या पत्रिकेत राहू कन्या राशीत आहे. येथे राहू अनुकूल परिणाम करतो. अधिकही करू शकेल जर तो बुध किंवा गुरु किंवा शुक्र यांच्याबरोबर संयोगात किंवा प्रभावात असेल. सुशिक्षित आणि अत्यंत आदरणीय व्यक्ती बनेल. तुमच्या प्रशंसनीय कृत्यामुळे सन्मान मिळवाल. व्यावसायिक क्षेत्रात प्रगती कराल. जोडीदार आणि मुले अभिमान आणि आनंद यांचे माध्यम बनतील. चंद्र जर राहू बरोबर संयोगात असला तर तुमच्या आई मुळे दुःखी बनेल. जर मंगळ हा राहू जवळ स्थित असेल तर मात्र पोटावर काही परिणाम संभवतात (स्त्री असेल तर गर्भाशयावर)

### केतू

तुमच्या पत्रिकेत केतू मीन राशीत आहे. येथे केतू एक अनुकूल परिणाम देतो. याची तीव्रता अधिक होते जर तो बुध किंवा गुरु किंवा शुक्र यांच्याशी संयोगात किंवा त्यांच्या प्रभावाखाली असेल. तुम्ही सुशिक्षित आणि अत्यंत आदरणीय व्यक्ति बनेल, प्रशंसनीय कृत्यामुळे स्तुतीचे पात्र ठराल. व्यावसायिक क्षेत्रात प्रगती कराल शिवाय तुमचा सहचरी आणि मुले सदैव आनंद आणि अभिमानाचे माध्यम बनतील. चंद्र जर केतू बरोबर संयोगात असेल. तर आई मुळे तुम्ही दुःखी बनेल. केतूच्या जवळ जर मंगळ असेल तर पाय किंवा पायाच्या बोट्याशी संबंधित विकार संभवतात.

### इंद्र

तुमच्या पत्रिकेत युरेनेस तीन राशीत स्थित आहे. जर युरेनेस गुरु किंवा शुक्र यांच्याशी संयोगात नसेल किंवा गुरुचा त्याच्यावर प्रभावही नसेल तर ही स्थिती अत्यंत भाग्याची नसेल. तुमची निस्तेज त्वचा असेल किंवा मानसिक तणावही पराकोटीचा जाणवेल. कदाचित तुमच्या सवयी मध्ये शिष्टाचार रहित बनेल शिवाय अशा काही गोष्टी करण्यात गुंताल. ज्या निर्बंध घालण्याजोग्या असतील. युरेनेस जर



अपायकारक ग्रहांनी वेढला गेला तर झटके देण्याची प्रवृत्ती असेल शिवाय अशी गुंता गुंतीची व्यक्ती बनाल, जिच्या बरोबर जगणे कठीण जाइल.

### वरुण

तुमच्या पत्रिकेत नेपच्यून कुंभ राशीत आहे. जर शुक्र अनुकूल असला तर तुम्ही संगीत प्रेमी असाल शिवाय पियानो किंवा तंतुवाद्य जसे व्हाइलेन वाजवण्याची उत्तम क्षमता असेल. किंबहुना तुम्ही उत्तम रचनाकार किंवा वाद्यसमुहाचा संचालक बनाल. चांगल्या लोकांचा सहवास आवडेल. तुमच्याकडे घटनावृत्त सांगण्याच्या कलेवर प्रभुत्व असल्याने लोक ते ऐकण्यास सदैव उत्सुक असतील.

### रुद्र

तुमच्या पत्रिकेत प्लुटो धनू राशीत आहे. हा तुमच्यात एक विलक्षण स्वभाव काळजीपूर्ण निष्काळजीपणा बिंबवतो. आयुष्यातील चढउतारांत वेळ दवडाल. लाभकारक ग्रहांशी जर संयोगात असेल किंवा त्यांच्या प्रभावात असेल तर धर्म आणि तत्वज्ञान यांत बराचसा रस घेणारा बनवतो. पण जर अपायकारक ग्रहांशी संयोगात किंवा प्रभावात असेल तर हा गर्विष्ठ स्वभाव आणि जुगारी प्रवृत्ती तुमच्यात बिंबवतो.



## भाव फळ

### लग्नपती

तुमच्या पत्रिकेत लग्न स्थानाचा स्वामी नवव्या घरात विराजमान आहे जे भाग्यस्थान असते. धर्म, देवता, पुजा, शुभा-शुभ गोष्टी, पूर्वभाग्य/नशीब यांचा संबंध या स्थानाशी येतो. पुरुषाच्या संबंधात हे स्थान नातवंड व स्त्रियांच्या संदर्भात संतती यांची ही परिस्थिती दर्शवतो. तुम्ही वडीलांच्या जवळीकीत लाभ घ्याल. धार्मिक गोष्टींत मन रमवाल कारण तुम्ही सदगुणी/धार्मिक व दयावान आहात. तुम्ही विद्वान असाल शिवाय आर्ष नृत्याचे अभ्यासक असाल. धार्मिक माणस गुरुजन या विषयी आदर बाळगाल. दिर्घ आयुष्य व सुखी-समाधानी जिवनाला ग्रहयोग अनुकूल आहेत. तुम्हाला मूल्यवान व कर्तव्यनिष्ठ संतती असेल तसेच नातवंडाकडून इष्ट मान-सन्मान लाभेल. परदेशगमन व तीर्थ यात्रांचा लाभ होईल. धार्मिक प्रचार करण्यासाठी प्रवास घडवाल. माणस तुम्हाला आवश्यक मान-सन्मान देतील व तुमचे सल्ले मानतील. जर सिंह किंवा कुंभ लग्न असेल तर लग्न स्वामीच्या ग्रह बलात वाढ होईल जास्त परिणामकारक परिस्थितीचा लाभ होईल.

### द्वितीय भाव

तुमच्या पत्रिकेत दुसरा स्वामी अकराव्या घरात पडला आहे ज्याला लाभस्थान म्हटले जाते. धनयोगाच्या दृष्टीने फलदायक योग घडवून येतो. धन, कुटुंब, वाक्चातूर्य, शिक्षण, मिळकत (स्वधन), खाणे-पिणे, मनोरंजन या बाबतीत फायदेशीर असतो. अकराव्या घराचा स्वामी दुसऱ्या घरात असता शुभ फलादेश निश्चित मिळतात मोठे आव्हान व जवाबदारी स्विकारून उत्कर्ष (व्यावसायिक यश) संपादन करण्यास जातक सक्षम असतो. मोठी भावंड व नातेवाईक फायदेशीर मदत पुरवतात. मोठ्या वर्तुळात वावरून आवश्यक मान सम्मान व इतरेतर लाभ करून घेण्यास अनुकूलता मिळते. दुसरा स्वामी पंचम स्थानाशी संबंधात येते असल्याने संतती सुद्धा कर्तबगार व यशस्वी निपजते.

### तृतीय भाव

तुमच्या पत्रिकेत तिसरा स्वामी दहाव्या घरात आहे. ज्याला कर्म स्थान म्हणतात. याच्या वरून तुमचे कार्यक्षेत्र लिखाण, छापखाना, संकलन, अध्ययन, रूपांतर, भाषांतर, डाकखाना, दळण-वळण, दूरध्वनी, दूरचित्रवाणी या क्षेत्राशी संबंध दर्शवते. तुमचा दहावा स्वामी शुभाशुभ योगात येत असल्यास फलाबाबत निश्चितता येईल. व तुम्ही उत्कर्ष करून चांगली मिळतक प्राप्त कराल. परंतू दहावा स्वामी अशुभ योगात असल्यास फलाबाबत घट संभवतो. तिसरा स्वामी चौथ्या घराशी संबंधात येतो परंतू जर चौथ्या स्वामी निर्बळ असेल तर नुकसान दायक खर्च दर्शवतो. चंद्र खराब असता आईला शारीरिक रोग बळावतो. मंगळ/शुक्र निर्बळ असता वाहना संबंधी दक्षता घ्याल.



### चतुर्थ भाव

तुमच्या पत्रिकेत चौथा स्वामी अकराव्या घरात पडला आहे. ज्याला लाभ स्थान म्हणतात. अकरावे स्थान चौथ्या स्थाना पासून आठवे येत असल्याने आईला शारीरिक कटकटी निर्माण होतील. चंद्र शुभयोगात असेल तर परिस्थितीत सुधारणा होईल. शुभ ग्रहांच्या योगात अकराव्या स्थानाच्या दृष्टीने भरभराट होईल. चौथा लाभ स्थानाचा व अकरावा इतर लाभाचा संबंध दर्शवत असल्याने उच्च शिक्षण व व्यापारीक फायदा जाणवेल. चंद्र-शनी शुभ अवस्थेत असता फायदे मोठ्या प्रमाणात घडतील. मंगळ अशुभ योगात असता जमीनीच्या लाभात नुकसान घडेल. चौथे स्थान प्रसिद्धी दर्शवते व अकरावे मोठा मित्र-परिवार, यांच्या मुळे तुम्ही तुमच्या मित्रात प्रसिद्धीचे कारण बनाल.

### पंचम भाव

पाचवा स्वामी तिसऱ्या घरात पडला आहे ज्याला विक्रम स्थान म्हणतात. जर पाचवा स्वामी किंवा पाचव्या घरात नैसर्गिक तामस ग्रह पडला असल्याने तुम्ही धीट व साहसी होतो. परंतू नैसर्गिक तामस ग्रह शुभ संबंधात नसताना अपघात घडू शकतात. तिसऱ्या व पाचव्या घराच्या दृष्टीने संबंधाने तुम्ही विरुद्ध लिंगाच्या व्यक्ती बरोबर प्रेम प्रकरणात पडू शकता. तुमचे मन शेअर बाजाराच्या उलाढालीतून अर्थाजन करण्याचा खटपटीत असू शकते. शुक्राच्या शुभ योगात करमवणूक मंगळाच्या शुभ योगात खेळात प्रावीण्य व बुधाच्या शुभ योगात लेखन कार्यात यश संभवते. इतर शुभ ग्रहांचा पाठींबा असता शुभ फलादेश मिळतात.

### षष्ठी भाव

तुमच्या पत्रिकेत सहावा स्वामी तिसऱ्या घरात पडला आहे ज्याला विक्रमस्थान म्हणतात. निर्बळ घराचा मालक दुसऱ्या निर्बळ घरात पडल्या मुळे, त्या दृष्टिने फायदेशीर ठरते. चमत्कारीकरीत्या आयुष्यात पुढे येण्यास तुम्ही समर्थ आहात. स्वगुणाने लाभ दायक घटना घडवण्यास अनुकूल योग घडून येतो. असामान्य कर्तृत्व गाजवायला अनुकूल असलेल्या क्षेत्राची निवड करून त्यात चमकण्यात तुम्हाला रस व यश मिळते. तुम्ही तुमच्या समवयस्कांच्या इर्ष्येचे कारण बनाल. लेखन, संयोजन क्षेत्रात संबंध ठेवून भरभराटीला येऊ शकतात. सिंह लग्नात सहावा स्वामी शनि तिसऱ्या घरात उच्चीचा असल्याने चांगले फल देतो चंद्र बिघडला असेल तर आईचे स्वास्थ्य बिघडवते.

### सप्तम भाव

तुमच्या पत्रिकेत सातवा स्वामी अकराव्या स्थानात पडला आहे यामुळे लाभदायक ठरतो. कन्या लग्नात सातवा स्वामी अकराव्या स्थानात उच्चीचा असल्याने जोडिदार व संतती बाबत चांगली फले मिळतात. सिंह लग्नात नातेवाईक व शत्रू चांगले मित्र बनतात. शुभ ग्रहांच्या योगात जोडिदारी व भागीदारीतून चांगले अर्थाजन करता येते.



परकीय ओळखी व चलन लाभदायक ठरते वार्डेट ग्रहांच्या योगात जोडिदाराशी वादविवाद होऊन प्रकरण सोडचिटी पर्यंत येऊन ठेपते. मित्र शत्रू बनतात.

### अष्टम भाव

आठवा स्वामी दहाव्या म्हणजे कर्मस्थानात बसला आहे. आठवा स्वामी अडचणी दाखवतो. म्हणून व्यावसायिक बदली घडतात व लवकर सेवानिवृत्ती घडते. परंतू व्यवसायातून चांगले लाभ होतात. दहावे स्थान दर्जा व कर्तबगारीपणा दाखवतो. व्यवसायाचा बिमा, कर अशा प्रांताशी संबंध दाखवतो. दहावा स्थानी शुभ अवस्थेत नसता, अशुभ ग्रहांची युती असता व्यवसायिक लाभावर प्रतिकूल परिणाम घडवतात. मंगळ शुभ योगात असला तर सैन्यदल व सैन्य या बाबत रस व लाभ देतो.

### नवम भाव

नवमेश अकराव्या स्थानात असता भरपूर गोष्टीतून भाग्यवर्धक लाभ घडतात. अकरावे स्थान व अकरावा स्वामी शुभ योगात असता भाग्यफलीत निश्चित मिळते. वडीलांसाठी शुभफलदायी बनतो विपरीत राज योगाने आईला सुखवस्तूपणा येतो. शनि, केतू योगात धननाश संभवतो. गुरु, शुक्र योग लाभ द्विगुणीत करतो. सिंह लग्नात अशुभ योगाने नवमेश मंगळ आईला त्रास घडवतो. कुंभ लग्नात नवमेश शुक्र चतूर्थेश सुद्धा असल्याने आईचे सर्वतोपरी संरक्षण करेल.

### दशम भाव

दशमेश नवमस्थानात असता भाग्य स्थानात विराजमान झाल्याने महाभाग्ययोग घडवून आणून धनयोगानुसार धनदायक ठरतो. वृश्चिक लग्नात गुरु शुभयोगात धार्मीक दर्जा सुधारून धार्मीक कार्य करवून आणतो सत्संगाचा योग घडवतो. सामाजिक, सांस्कृतीत व दान धर्माच्या कार्यात सहभाग घडवून योग्य मानसन्मान घडवून आणतो. शुभ ग्रहाच्या यूतीत, शुभ अवस्थेत शैक्षणिक, सांस्कृती व धार्मीक बाबतीत दुरस्थ, परदेशी यात्रा करवून देतो.

### एकादशम भाव

अकरावा स्वामी दशमस्थानात व्यवसायिक दर्जा वाढवण्यास सर्वतोपरी अनुकूल असतो. कर्म स्थानाच्या दृष्टीने भरभराट आणतो. दहावा स्वामी अकराव्यात व दहाव्यात असता व्यावसायिक दर्जा वाढवायला निश्चित पाठपुरावा मिळतो. मेष लग्नात अकरावास्वामी दहाव्याचा सुद्धा मालक असल्याने पंचमहापुरुष योगानुसार भाग्यवर्धक बनतो. धनू लग्नात अकरावा स्वामी दशमस्थानात निर्बळ असल्याने जर बुध, गुरु शुभयोग घडत असतानाच फायदेशीर ठरतो अन्यथा स्वास्थ्य बिघडवतो. रवी, मंगळ योग दिकबल योगाने भाग्य वाढवतो शनि योग आयुष्यात उतार-चढाव आणतो.

### द्वादशम भाव

बारावा स्वामी दशमस्थानात असता व्यवसायचा दवाखाने, प्राधानिकरण, कोठडी, कापड



उद्योग, जासुसी, शोध, टाकाऊ वस्तू या पासून लाभ घडवतो. मेष लग्नात बारावा स्वामी नवमेश असल्याने नीर्बळ असल्याने व्यावसायिक दृष्ट्या पोषक ठरत नाही. सिंह लग्नात उच्च असल्याने व्यावसायिक भरभराट घडवून आणतो. दशमेश शुभ योगात असता औषधी शास्त्रात रस व यश देऊन त्याचा अभ्यासक घडवून सामाजिक व्यवहाराशी संबंध योग देतो. शनी शुभ योगात असता दूरस्थ शिक्षण योग देतो. रवी बुध शुभ योग ज्योतीष शास्त्रात रस व यश देतो.

## भावामध्ये ग्रहांच्या स्थितीचे फळ

### रवी

दशमात रवी दिकबल योगानुसार व्यवसायात लाभ घडवतो. मोठ्या अधिकारी कडून लाभ घडवून आणतो. सरकारी स्थाने, मोठे मानकरी वर्तूळ व दर्जा लाभ घडवतो. कर्क व वृश्चिक लग्नात रवी उच्चीचा व स्वराशीचा शुभ फलदायी होतो. कर्क लग्नात अर्थाजन क्षेत्राच्या संस्थेतून मोठे फायदे घडवून आणतो. वृश्चिक लग्नात मोठ्या सरकारी लाभाची हमी पुरवतो. मकर लग्नात अष्टमेश दशमात व्यवसायिक बदल घडवतो शुक्र शनि यूती करविषयक क्षेत्राशी बदल घडवतो. शुक्र शनियूती करक्षेत्राशी संबंध घडवते. शुभ यूती माननीय अधिकार योग देते.

### बुध

नवमस्थानात बुध क्रियाशीलतेचे मन दर्शवतो. विज्ञान व तंत्रज्ञानाच्या शिक्षणाची आवड दाखवतो. शैक्षणिक उपलब्धींचा प्रात्यक्षिक वापर करण्याचा कल वाढवतो. शुभ, स्वराशीचा बुध नियतकालिक, मासीके यातून लाभ घडवतो तूळ व मकर लग्नात माहीती क्षेत्रा बद्दल असामान्य ओढ दाखवतो. आचार-विचारांची सुबक पकड असते. कर्क लग्नात निर्बळ बुध शुक्र शुभ संबंधात नसताना लेखणी द्वारा वाद-विवादाच्या भोवत्यात अडकण्याचे प्रसंग येतात. परदेशी स्थळी उत्तम आयुष्य घालवण्यास समर्थता दाखवतो.

### शुक्र

अकराव्यात शुक्र असताना भाग्यवान व सुखवर्धकता आणतो. मित्र परिवार, सत्संग यातून सुलभ लाभ घडवतो शिवाय विवाह आयुष्य सुखी करतो. समाजप्रिय व्यक्तीमत्व घडवून मनोरंजन व आर्थिक नियोजन यातून भरभराटीचे योग आणतो. विपुल प्रसिद्धी व मानसन्मान देतो. वृषभ, कर्क व धनू लग्नात उच्चीचा व स्वराशीचा शुक्र शुभ फलदायी ठरतो. वृश्चिक लग्नात अनेक इतर शुभ ग्रहयोग घडता शुभ फलदायी ठरतो. अशुभ ग्रहांचा योग मिळकती बाबत व इतर शुभ फलांबाबत अनिश्चितता दर्शवतो. शनि अशुभ योगात व्यावसायिक नुकसान दर्शवतो. शुक्र अशुभ ग्रहाच्या यूतीत डोळ्यांचे विकार आणतो.



## मंगळ

दशमात मंगळ दिकबल योग घडवून जन्मजात भाग्य मिळवून देतो व्यवसायात भरभराट, उच्च दर्जा, चांगला अधिकार योग घडवून आणतो. सरकारी व अधिकारी मान सन्मान घडवतो. मेष, कर्क व कुंभ लग्नात शुभ मंगळ पंचमहा पुरुष योगाने शुभ फलदायी ठरतो तूळ लग्नात व्यवसायी बदल घडवतो. शुक्र, चंद्र शुभ यूती, शुभ योग व्यवसायीक भरभराट करवून आणतो. कर्तव्यदक्षता कार्य क्षमतेत वाढ, क्रियाशीलता इत्यादी गुण भरभराट आणून इष्ट मानसन्मान व दर्जा मिळवून देतो.

## गुरू

अकराव्या स्थानातला गुरू भरपूर गोष्टीत अनुकूल भाग्य निर्माती घडवून आणतो. लहान भावंड (तृतीय स्थान), (दर्जा, संतती) पंचमस्थान व (सप्तम स्थान) जोडीदार, भागीदार या विषयी अनुकूल शुभ फलदायी ठरतो. अकरावा स्वामी, अकरावे स्थान शुभ योगात असता फलांकीताचा दर्जा वाढतो व मित्र व व्यवसाय दृष्ट्या शुभ-लाभ घडवून आणतो वृषभ, कन्या, कुंभ लग्नात उच्च व स्वराशीचा गुरू सर्वदा शुभ फलदायी ठरतो. मीन लग्नात अकरावा स्वामी निर्बळ असता शनि शुभ योगात नसता, शुभ ग्रहांची यूती यांची यूती घडत नसता प्रतिकूलता आणतो. अशुभ ग्रहांची यूती मिळकती बाबत निराशा देतो. शुभावस्थेत शुभयोगात लहानपणा पासून भाग्यदायक वर्धक ठरतो.

## शनी

शनी तृतीय स्थानात आहे. ज्याच्या मुळे तुम्ही धीट, धैर्यवान बनाल. नातेवाईकांशी वैमनस्य निर्माण होईल. यांत्रा मुळे शारीरिक कटकटी निर्माण होऊ शकतात शिवाय मानसिक मलीनता येऊ शकते. टपाल खाते व यात्रा या संबंधी काही नुकसानदायक घटना घडू शकतात. चंद्र तृतीय स्थानात असता आईच्या शारीरिक, मानसीक कटकटी उत्पन्न करतो. रवी, मंगळ व राहुच्या उपस्थितीने विशेष अर्गला योगानुसार अनपेक्षित भरभराट मिळेल. सिंह, वृश्चिक व धनु राशीत शनी स्वग्रही व बलवान असल्याने लहान भावंडा संबंधी सौख्य जाणवेल. कुंभ लग्नात नीच भंग योगा नुसार श्रीमंती येईल.

## चंद्र

दशमात चंद्र सार्वजनिक क्षेत्रात सुखी, अनुकूल अनुभव घडवतो. व्यवसायात सार्वजनिक संबंध घडवून आणून भरभराट देतो. तूळ लग्नात औषधी संस्था व हॉटेल या संबंधीचा व्यवसाय घडवतो. सिंह लग्नात दवाखाने, प्राधानीकरण क्षेत्र व सुरक्षा क्षेत्र या संबंधी दर्जेदार नोकरीयोग घडवतो. कुंभ लग्नात चंद्र निर्बळ असता व्यवसायीक बदल घडवून आणतो. शुभ ग्रह, शुभ यूती परिणाम कारक बदल घडवते.

## राहू



लग्नस्थानातल्या राहु मुळे प्रतिकूल परिस्थितीत जन्म दर्शवतो. तुमचे व्यक्तीमत्त्व आकर्षक असेल व तुम्हाला आवश्यक लोकप्रियता सुद्धा मिळेल. आयुष्यात तुम्हाला प्रतिकूल परिस्थितींचा सामना करावा लागेल शिवाय अशावेळी तुम्ही गोंधळाल किंवा तुमची घाबरगुंडी उडेल. राहु स्वराशीत किंवा शुभ प्रतियोग/अन्योक्तीयोग घडवून आणत नसेल तर वैवाहिक सुखात वैगुण्य आणवेल. राहु केतू योग दुर्घटना घडवेल. रवी-राहु योग वडिलोपार्जित आजार आणवेल. चंद्र-बुध राहुशी योग घडवून आणत असतील तर वैचारीक तारताम्यता नसेल. बुध सप्तम स्थानात असेल तर बुद्धीवादी बनावेल. राहु-मंगळ संयोग तापट स्वभाव दर्शवतो. राहु वृषभ/कन्या/मकर किंवा कुंभ राशीत असेल व शुभ ग्रहांचा सहयोग असेल तर तुम्ही आदर्श कुटुंबाचे घटक असाल व श्रीमंत व्हाल.

### केतू

सातव्या घरात केतू संमीश्र फले देतो व्यवहारिक सुखासाठी काहीशी चांगली अनुकूलता निर्माण होत नाही. वृश्चिक व मीन राशीतला व स्वराशितला केतू शुभ फलदायी ठरतो. वृषभ राशीतला केतू जर मंगळ शुभ नसेल तर वाईट फले निर्माण करतो. मंगळ शुभ योगात असला तर माहिती तंत्र ज्ञानातून, त्याच्यांशी निगडीत संस्थातून उत्तम लाभ घडवून आणतो. शिवाय तुम्ही तुमचा स्वतःचा धंदा उभारून भरभराटिला आणू शकता. शुभ ग्रहयुती शुभ फलाबाबत निश्चिती देते. मंगळ व राहुच्या राशितला केतू भांडण-तंटे व अपघात करवून आणतो.

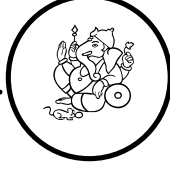
### इंद्र

सातव्या घरात युरेनस असता कटकटीदायक ठरतो. लग्नेश शुभ असता परिस्थितीत सुधारणा घडतात. अन्यथा वाईट संगतीमुळे उघड शत्रू निर्माण होऊन त्रासदायक ठरतात. जोडीदारी व भागीदारीत अपेक्षित यश लाभत नाही. याला दिरंगाईपणा व दक्षता विरहीतपणा कारणीभूत ठरतो. सातवे घर, सातवा मालक शुभ योगात असता भाकितात सुधार घडता अन्यथा अशुभ योगात अशुभ युतीत परिस्थिती अजून खालावते.

### वरुण

नेपट्यून जर तुमच्या सहाव्या घरात स्थित असेल तर तुम्हाला खुप नाजुक व बिकट परिस्थितीला तोंड द्यावे लागेल. तुमच्या नातेवाईकांच्या खराब वागण्यामुळे तुम्हाला माणसिक त्रास सोसावा लागेल. तुमचे साथी किंवा कामगार तुमचा शारीरिक त्रास किंवा माणसिक त्रास वाढवण्यास कारणीभूत ठरतील आणि तुमचे साथी किंवा कामगार त्यांच्या न संपणाऱ्या मागण्या व गैर वर्तवणुकी मुळे तुम्हाला खुप नुकसान पोहचवतील. जर शुभ ग्रहाची तुमच्यावर दृष्टी असेल तर तुम्ही थोडासा त्याग करून सर्व परिस्थिती व्यवस्थित संभाळू शकता. पण जर अशुभ ग्रहांची दृष्टी तुमच्यावर असेल तर परिस्थिती ह्या उलट व गंभीर होऊ शकते. ह्याचा परिणाम तुमच्या शरिरावर होऊ शकतो. परदेशिय संस्थेत नोकरी किंवा त्याच्या मिळकतीसाठी





परिस्थिती अनुकूल राहिल.

### रुद्र

प्लुटो चतुर्थ स्थानात पडल्याने आयुष्याच्या पूर्वात तुम्हाला प्रतिकूलतेच्या सामना करावा लागेल. वातावरण निर्मीती लक्षात घेता पालकां पासून अलग रहाण्याचा योग येतो. स्थावर मिळकती, जमीन-जुमला याच्या बाबतीत इतरांशी वादविवादांचे व कटकटीचे सामाज्य वाढेल. दक्षता व खबरदारी घ्यावी लागेल. शनि, मंगळाचा दृष्टीयोग नसता व इतर शुभ ग्रहांचे पाठबळ असून चतुर्थ स्थान शुभ असेल तर परिस्थिती सुधारणा घडवतील.



## जन्म नक्षत्र फळ

### नक्षत्र फळ

कोणतेही काम तुमच्यावर सोपविले तर, ते जबाबदारीसह पार पाडाल. लोकांच्या सभेत तुम्ही विनोदाचे वातावरण तयार करून प्रत्येकाला तुमच्याकडे आकर्षित कराल. अंतर्ज्ञानाच्या बोधाचे तुम्हाला वरदान लाभले आहे. चांगल्या मानसशास्त्रज्ञानाची तुम्ही योग्यता मिळवली असेल.

मित्र आणि नातेवाईक यांच्याशी व्यवहार अत्यंत प्रेमळपणे करता. तुम्हाला मद्दत करायला येणाऱ्या लोकांविषयी कृतज्ञता वाटणार नाही. तुम्ही लहरी आणि जोशीले असाल.

### शारीरिक रचना

असे पाहण्यात येते की, अरिद्राच्या विविध अंगाला विशिष्ट आकार आणि रचना असते. बारिक आणि छोट्या रचनेपासून मोठ्या आणि लांबच्या रचनेपर्यंत.

### शिक्षा

जवळपास सर्व प्रकारच्या विषयाचे ज्ञान मिळवण्याची क्षमता तुमच्यात असेल. एवढी चांगली योग्यता तुमच्याकडे असूनही सन्मान किंवा प्रसिद्धी मिळवण्यासाठी संघर्ष करावा लागेल. तुम्हाला सल्ला दिला जातो की नियमितपणे योगा केला पाहिजे तसेच या मुद्याच्या अखेरी दिलेल्या बाबींवर प्रतिबंधात्मक उपाय खंड न पाडता केला पाहिजे. जर असे केले तर तुम्ही उपजत असलेल्या क्लेशावर विजय मिळवू शकाल. कामाच्या बाबतीत अति प्रामाणिक असल्याने मनाला थोडासा धक्का जरी लागला तरी तुम्ही मानसिक दृष्ट्या अस्वस्थ होता. शिवाय आतल्या आत रागावताही. जरी आर्थिक आणि मानसिक दृष्ट्या अत्यंत कठीण परिस्थिती आली तरी तुम्ही डोके शांत ठेवाल आणि इतरांना आदराने आणि सन्मानाने वागणूक द्याल. जोपासण्याच्या वृत्तीमुळे आणि धैर्यामुळे लोक तुम्हाला आदर्श बनवतील व तसेच जवळची व्यक्ती मानतील. एकावेळी एकाच कामाला चिकटून न राहता एकाच वेळी अनेक कामे कराल. लोकांची मते आणि त्यांचा दृष्टिकोन स्वतःकडे गोळा करण्याचा तुम्हाला छंद असेल इतकेच नव्हे तर स्वतःच्या मतात त्यानुसार बदल आणण्याचा प्रयत्न कराल, पण तुम्हाला हेही चांगलेच ठारक आहे की तुम्ही जे करता ते बरोबर आहे. संशोधनवर क्षेत्रात किंवा कोणत्याही प्रकारची नोकरी करीत असाल. तर त्यात यश मिळवाल आणि स्वतःची विशिष्ट ओळख बनवाल. व्यावसायिक क्षेत्रातही तुम्हाला यश लाभेल. असे पाहण्यात येते की, या नक्षत्रात जन्माला आलेले लोक देहभान विसरून समाजकार्याला वाहून घेणारे असतात. दहा काम एकत्र हाताळण्याची आणि तेही व्यवस्थितपणे हाताळण्याची तुमच्यात क्षमता असेल. जर तुम्ही कुठल्याही कामासाठी प्रवास कराल तर या कामाबरोबरच यांच्याशी संबंधित दुसरे एखादे कामही पूर्ण करण्याचा प्रयत्न कराल.



कुटुंबापासून आणि मुलांपासून दूर राहून सामान्यतः तुम्ही तुमची उपजीविका चालवाल. दुसऱ्या शब्दात सांगायचे झाले तर तुम्ही परदेशात स्थिर व्हाल. वयाचे ३२ आणि ४२ हे वर्ष सुवर्णकाळ आहे. वाहतुक, जहाज आणि संदेशन या विभागात कामाला असण्याची शक्यता आहे. पुस्तक विक्रेता किंवा आर्थिक दलाल या पासूनही उत्पन्न मिळवण्याची शक्यता आहे.

### कौटुंबिक जीवन

तुमचे लग्न उशिरा होईल. जर का तुमचे लग्न लवकर झाले तर तुमच्या कुटुंबापासून स्वतंत्र राहायला भाग पडेल मग ते पत्नीच्या मतभेदामुळे असो, की तुमच्या आवाक्याबाहेर गेलेल्या परिस्थितीमुळे असो. जीवनात काही उपजत असलेल्या अडचणींना तोंड द्यावे लागेल पण त्या समस्यांचा तुम्ही ऊहापोह करत नाही.

जेव्हा तुमचे लग्न उशिरा होईल तेव्हा तुमचे वैवाहिक जीवन चांगले होईल. तुमच्या वैवाहिक जोडीदाराचा तुमच्यावर पूर्ण ताबा असेल.

### आरोग्य

तुमच्या शारीरिक आरोग्याची काळजी घ्यावी लागेल. आजारांमुळे वैद्यकीय उपचार घ्यावे लागतील जो महाग आणि तातडीचा असेल. छातीशी आणि कानाशी संबंधित आजारही होण्याची शक्यता आहे.

### रवी — मृगशिरा — चरण — 3

अर्थशास्त्र किंवा आर्थिक सल्लागार यातील नोकरी तुम्हाला अधिक लागू होणारी असेल. ऑपरेशनच्या क्षेत्रात तुम्ही सहजपणे उच्च स्थान मिळवाल. लोकांशी संपर्क साधण्याचे कौशल्यही मिळवाल. शास्त्रीय संशोधनात तुमच्या मुलापैकी एक मूल प्राविण्य मिळवेल. नाक किंवा चेहरा यांच्यांशी संबंधित विकार होण्याची शक्यता आहे.

### बुध — रोहिणी — चरण — 1

ही अत्यंत भाग्याची स्थिती आहे. तुम्ही मवाळ वाणीचे आणि अत्यंत कुशल असाल. चांगल्या मार्गाने खूप संपत्ती मिळवाल शिवाय चांगले कार्य करण्यात नेहमीच व्यस्त असाल. तुमची जोडीदारीण खूप सुंदर तसेच कर्तव्यदक्ष असेल. पण तिला बोलताना अडखळण्याचा त्रासही सोसावा लागेल.

### शुक्र — अश्लेषा — चरण — 1

या नक्षत्रात गुरु अधिक शक्तिशाली बनेल जरी घर विभाजनाच्या प्रक्रियेनुसार येथे कमजोर चिन्ह असले तरी. इतर काही अपायकारक संयोगात किंवा स्वरूपात गुरु या नक्षत्रात असला तर सर्व वाईट प्रभावाला संपवून टाकेल. शासनात उच्च स्थान मिळवून कदाचित मंत्री किंवा व्यवस्थापक किंवा प्रशासक बनेल.



### मंगळ — मृगशिरा — चरण — 3

जर लग्नपतीही या भागात पडला असेल तर, कदाचित तुम्हाला संसर्ग किंवा मग असेच काही सोसावे लागण्याची शक्यता आहे. आर्थिक आणि कौटुंबिक अडचणी आणि समस्या यांना तोंड द्यावे लागेल. जर इतर लग्नपतीत जन्माला आला असेल तर तुम्ही पुरेशा संपत्तीने पूर्ण असाल. तुम्हाला अधिक पैशाची गरज भासू शकते. मान आणि शरीराच्या वरच्या भागाला काही आजार होण्याची शक्यता आहे.

### गुरू — अश्लेषा — चरण — 3

जर मंगळ कमजोर घरात स्थित असेल तर तुम्ही राजकारणात एक महत्वाचे स्थान बनवाल शिवाय शास्त्रातही शिक्षित बनेल. पण तुमचे आयुष्य उपभोगण्यास मात्र असमर्थ ठराल. संधिरोग आणि फुफुसाला येणारी संवेदन इत्यादी सोसावी लागण्याची शक्यता आहे.

### शनी — अनुराधा — चरण — 1

उत्सुकता आणि धाडसी कृत्य यांची तीव्र इच्छा असेल. तरीही या कार्यामुळे स्वतःसाठी किंवा इतरांसाठी अडचणी उद्भवणार नाहीत याची दक्षता घ्यावी मध्यम उंची असेल.

### चंद्र — अद्र — चरण — 2

कदाचित तंत्रविज्ञानात तुम्ही गुंताल, जर चंद्रावर शुक्राचा प्रभाव असेल तर कदाचित तुम्ही संगीत क्षेत्रात प्राविण्य प्राप्त कराल. विविध संगीत वाद्य वाजवण्यात नामांकित कलाकार बनेल. शरीराच्या वरच्या भागाशी विशेषतः छातीशी संबधित आजार सोसावे लागण्याची शक्यता आहे.

### राहू — हस्त — चरण — 1

तुम्ही उत्तम तांत्रिक शिक्षण घेतले असावे. जर शनी येऊन जुळला तर वयाच्या ५५ व्या वर्षी तुमच्या व्यवसायात अधोगती होण्याची शक्यता आहे. आगाऊ गृहीत धरलेले आणि अपेक्षित पदोन्नती किंवा वाढ काही काळासाठी पुढे ढकलली जाण्याची शक्यता आहे.

### केतू — उत्तर भाद्रपद — चरण — 3

शेतीपासून उत्पन्न मिळवाल. लहानपणीच जवळच्या कौटुंबिक सदस्याला तुम्ही गमवाल. त्यामुळे अनेक जबाबदाऱ्यांचे ओझे तुमच्यावर पडेल. काहींच्या बाबतीत असेही आढळून आले की खटल्याची नुकसान भरपाई म्हणून मोठी रक्कम भरावी लागल्याने ही व्यक्ती कर्जबाजारी बनते.